नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, बुधवार
05 फरवरी 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 10, अंक : 319 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

अपने लिए तो सब करते हैं, संविधान के लिए जीने वाले यहां बैठे हैं', लोकसभा में बोले पीएम

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही जारी है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना जवाब दे रहे हैं।

लोकतंत्र के मुद्दे पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा- लोकतंत्र का स्पिरिट क्या होता है, संविधान को जीना किसे कहते हैं। हमने पीएम म्यूजियम बनाया और देश के पहले पीएम से लेकर मेरे पूर्व तक, सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन को और उनके कार्यों को बताया गया है। ये होती है संविधान की भावना। अपने लिए तो सब करते हैं, खुद के जीने वालों की जमात बहुत छोटी नहीं है। संविधान के लिए जीने वाले यहां बैठे हैं। पीएम मोदी ने इस बयान पर भाजपा और एनडीए सांसदों ने जमकर तालियां बजाई। पीएम मोदी ने कहा कि - ये देश का दुर्भाग्य है कि आज कल कुछ लोग अर्बन नक्सल की भाषा खुलेआम बोल रहे हैं। और अर्बन नक्सल की भाष बोलने वाले जिन बातों को

बोलते हैं, इंडियन स्टेट्स के सामने मोर्चा लेना। ये अर्बन नक्सल की भाषा बोलने वाले न संविधान को समझ सकते हैं और न देश की एकता को समझ सकते हैं। सात दशक तक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को संविधान के अधिकारों से वंचित रखा गया। ये अन्याय है। हमने आर्टिकल 370 की दीवार गिरा दी। उन राज्यों को देशवासियों जैसे अधिकार दे हैं।

पीएम मोदी ने कहा- 21वीं सदी पूरी तरह टेक्नोलॉजी ड्रिवेन सेंचुरी है, ऐसे में इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ना जरूरी है। हम लगातार युवा भविष्य को ध्यान में रखते हुए काम कर रहे हैं। कुछ दल हैं जो लगातार युवाओं को धोखा दे रहे हैं। ये दल चुनाव के समय ये भत्ता देंगे, वो भत्ता देंगे वादे करते हैं, पूरा नहीं करते।

पीएम मोदी के इस हमले पर विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस पर स्पीकर ने गरिमा प्रतिष्ठा बनाए रखने की अपील की और कहा कि बैठे बैठे टिप्पणी न करें। पीएम ने आगे कहा कि ये दल युवाओं के भविष्य पर आपदा बनकर गिरे हुए हैं। हम कैसे काम करते हैं, ये हरियाणा में देश ने देखा है. बिना खर्ची, बिना पर्ची नौकरी देने का वादा किया था. सरकार बनते ही युवाओं को नौकरी मिल गई. हम जो कहते हैं, उसी का परिणाम है हरियाणा में तीसरी बार भव्य विजय. हरियाणा में इतिहास में तीसरी बार विजय ऐतिहासिक घटना है. महाराष्ट्र में भी ऐतिहासिक परिणाम. इतिहास में सत्ता पक्ष के पास इतनी सीटें पहली बार हम जनता के आशीर्वाद से कर के आए हैं.

पीएम मोदी ने अपने भाषण में एआई, थ्रीडी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलटी की चर्चा। पीएम ने कहा- हम तो गेमिंग का महात्म्य क्या है, इसके लिए भी प्रयास करते हैं। क्रिएटिविटी वर्ल्ड का कैपिटल भारत क्यों न बने। एआई शब्द फैशन में है तो कुछ लोग बोलते हैं। मेरे लिए डबल एआई है।

शेष पेज 2 पर

'सपा और कांग्रेस सनातन विरोधी महाकुंभ पर फैला रहे झूठ'

खड़गे और अखिलेश पर CM Yogi का तीखा वार

लखनऊ। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष का यह वक्तव्य हास्यास्पद है। अखिलेश पर पलटवार करते हुए योगी ने कहा ये लोग 12 बजे सोकर उठते हैं, पार्टी कार्यालय जो उन्हें प्रेस नोट बनाकर देता है, वही पढ़ देते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को महाकुंभ में भगदड़ पर की गई टिप्पणी के लिए अखिलेश यादव की आलोचना की और कहा कि सामलवादी पार्टी महाकुंभ पर झूठ फैला रही है। उन्होंने कहा कि सनातन और प्रयागराज की घटना के खिलाफ बोलने के लिए कांग्रेस और सपा ने हाथ मिला लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सपा और कांग्रेस सतनात विरोधी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे का बयान शर्मनाक है।

योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष का यह वक्तव्य हास्यास्पद है। अखिलेश पर पलटवार करते हुए योगी ने कहा ये लोग 12 बजे सोकर उठते हैं, पार्टी कार्यालय जो उन्हें प्रेस नोट बनाकर देता है, वही पढ़ देते हैं। हमने बार-बार कहा है कि 40-45 करोड़ लोग स्नान यहां करेंगे। उन्होंने कहा कि यह लोग पहले दिन से चाहते थे की महाकुंभ में कोई अनहोनी हो। उन्होंने कहा कि अखिलेश का चरित्र सनातन विरोधी है। महाकुंभ की घटना पर शरारती तत्व झूठ फैला रहे हैं।

सीएम ने दावा किया कि शरारती तत्व चाह रहे थे कि घटना और ज्यादा बड़ी हो जाए। खड़गे और अखिलेश पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं में सनातन धर्म के खिलाफ बयान देने की होड़ लगी हुई है की कौन कितनी ज्यादा सनातन धर्म के खिलाफ बयानबाजी करे।

शेष पेज 2 पर

महाकुंभ में डुबकी लगाएंगे पाकिस्तानी, मोदी सरकार ने दिया है 10 दिन का वीजा

अमृतसर (पंजाब)। पाकिस्तान में करीब 20 लाख हिंदू रहते हैं। उन्होंने भारत सरकार से अपने प्रियजनों की अस्थियों को प्रवाहित करने की आज्ञा मांगी थी। इसके तहत 2022 में पाकिस्तानी हिंदू परिवारों को गंगा में अस्थियां प्रवाहित करने के लिए स्पांसरशिप पॉलिसी लागू की गई थी। इस बार 480 हिंदुओं की अस्थियां गंगा में प्रवाहित करने के लिए लाई गई हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। देश विदेश से करोड़ों लोग गंगा में पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। अब पाकिस्तानी भी कुंभ में स्नान करेंगे। कराची स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के मुख्य सेवक महंत श्री राम नाथ महाराज सोमवार को अटारी सीमा से भारत पहुंचे।

480 हिंदुओं की अस्थियां गंगा में करेंगे प्रवाहित-महंत रामनाथ पाकिस्तान में पिछले कुछ सालों में मृत्यु को प्राप्त हुए 480 हिंदुओं की अस्थियां मोक्ष प्राप्ति के लिए भारत लेकर आए हैं।

शेष पेज 2 पर

हरियाणा में निकाय चुनावों की घोषणा:

2 मार्च को मतदान, सभी जिलों में आचार संहिता लागू

हिसार (हरियाणा)। हरियाणा में निकाय चुनाव का ऐलान हो गया है। 2 मार्च को वोटिंग होगी, जबकि 12 मार्च को नतीजे आएंगे। फरीदाबाद, गुरुग्राम, मानसेर, पानीपत, रोहतक, यमुनानगर, हिसार और करनाल में मेयर और सभी वार्डों के चुनाव होने हैं।

हरियाणा निर्वाचन आयोग ने राज्य के शहरी निकाय चुनावों की घोषणा कर दी है। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि फरीदाबाद, मानेसर, पानीपत, रोहतक और करनाल में नगर निगम चुनाव होंगे, जबकि अंबाला और सोनीपत में सिर्फ मेयर चुनाव कराए जाएंगे।

किन जिलों में होंगे चुनाव?

चुनाव आयोग के अनुसार

नगर निगम चुनावः फरीदाबाद, मानेसर, गुरुग्राम, पानीपत, रोहतक, करनाल, हिसार और यमुनानगर में मेयर और सभी वार्ड पार्षदों के चुनाव होंगे।

मेयर उपचुनावः अंबाला और सोनीपत में केवल मेयर पद के लिए उपचुनाव होगा।

नगर परिषद चुनावः पटौदी, थानेसर, अंबाला और सिरसा में नगर परिषद चुनाव कराए जाएंगे।

नगर पालिका चुनावः प्रदेश की 21 नगर पालिकाओं में भी चुनाव होंगे।

चुनाव कार्यक्रम

नामांकन दाखिल करने की तिथिः 11 से 17 फरवरी (पानीपत को छोड़कर)

मतदान की तिथिः 2 मार्च

राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाएंगे। सभी जिलों में आचार संहिता लागू कर दी गई है।

हिसार में 2.68 लाख मतदाता करेंगे वोटिंग

हिसार नगर निगम चुनाव में करीब 2.68 लाख मतदाता शहर की सरकार का चुनाव करेंगे। जिला प्रशासन ने मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया है। इसके साथ ही यह सूची जिला प्रशासन की वेबसाइट www.hisar.gov.in पर भी अपलोड कर दी है।

मतदाता सूची को फाइनल करने से पहले पहले एसडीएम व फिर उपायुक्त स्तर पर आपत्तियां मांगी गई थीं। दोनों स्तर पर सुनवाई के बाद इनका निपटान करने के बाद फाइनल मतदाता सूची तैयार की गई है। इस बार निगम चुनाव को लेकर 20 वार्डों में 238 बूथ बनाए गए हैं। शेष पेज 2 पर

बजट के बाद पहली बार बाजार में लौटी खरीदारी; सेंसेक्स 1397 अंक चढ़ा, निफ्टी 24750 के करीब

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,397.07 अंक या 1.81 प्रतिशत उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर 78,583.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,471.85 अंक या 1.90 प्रतिशत बढ़कर 78,658.59 अंक पर पहुंच गया। आइए जानते हैं शेयर बाजार का पूरा हाल।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मैक्सिको और कनाडा पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के बाद एशियाई समकक्षों में सुधार के अनुरूप बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को लगभग 2 प्रतिशत की तेजी आई।

सेंसेक्स और निफ्टी एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचे- तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,397.07 अंक या 1.81 प्रतिशत उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर 78,583.81 अंक पर बंद हुआ। शेष पेज 2 पर

बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी ASP

एनडीए को दलित-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में बताया विफल

समस्तीपुर । आजाद समाज पार्टी ने बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एनडीए सरकार दलित और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने में विफल है। साथ ही उन्होंने महागठबंधन पर भी सवाल उठाते हुए निशाना साधा।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आजाद समाज पार्टी ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने का एलान किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद ने मंगलवार को समस्तीपुर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बिहार में दलित और अल्पसंख्यकों

पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, लेकिन एनडीए सरकार उनकी रक्षा करने में असफल साबित हो रही है। वहीं, महागठबंधन भी इस मुद्दे पर खुलकर सामने नहीं आ रहा है। ऐसी स्थिति में आजाद समाज पार्टी अपने संगठन को मजबूत कर दलितों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ी होगी।

जौहर आजाद ने कहा कि उनकी पार्टी समस्तीपुर जिले की सभी 10 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने बताया कि पार्टी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है। इसके लिए जिला प्रभारी को गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। शेष पेज 2 पर

मिल्कीपुर उपचुनाव | मिल्कीपुर उपचुनावः 47.51 प्रतिशत युवा मतदाता

बनेंगे भाग्य विधाता, निभाएंगे निर्णायक भूमिका

लखनऊ। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। ऐसे में युवाओं के मुद्दे हावी हैं। इस सीट पर 18 से 39 वर्ष की उम्र के मतदाताओं की संख्या 47.51 प्रतिशत है।

अयोध्या मिल्कीपुर के उपचुनाव में युवा मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रहेगी। करीब 47.51 फीसदी मतदाताओं की उम्र 40 साल से कम है। जिस भी पार्टी विशेष के हक में इनके वोट पड़ेंगे, उनका पलड़ा भारी रहेगा। इसी कारण सभी सियासी पार्टियां युवा मतदाताओं पर भी नजर बनाए हुए हैं।

मिल्कीपुर में कुल 3,71,578 मतदाता हैं। इनमें से 40 वर्ष से कम आयु के मतदाताओं की संख्या 1,76,567 है। इस तरह से लगभग 47.51 फीसदी मतदाता युवा हैं।

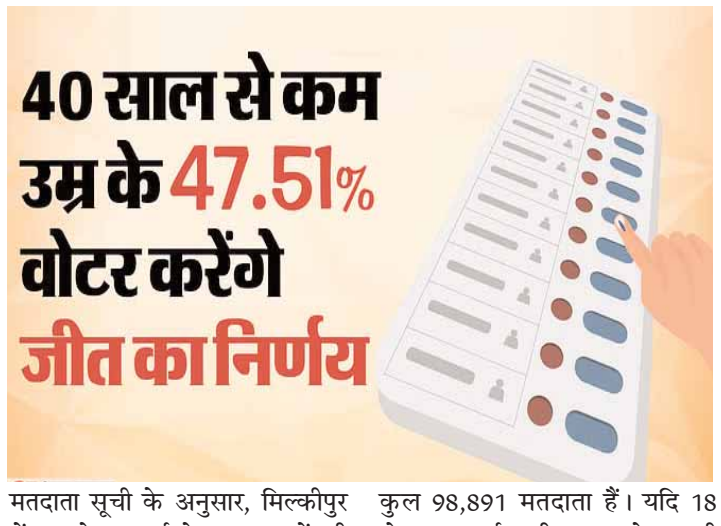

मतदाता सूची के अनुसार, मिल्कीपुर में 18 से 29 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 77,166 है, जो कुल मतदाताओं का 26.61 प्रतिशत है। इसके बाद सबसे ज्यादा मतदाता 30 से 39 वर्ष उम्र के हैं। इस उम्र के कुल 98,891 मतदाता हैं। यदि 18 से 39 वर्ष की उम्र के सभी मतदाताओं को एक साथ मिला दें तो 18 से 39 वर्ष की उम्र के मतदाताओं की संख्या 47.51 प्रतिशत है।

युवा मतदाताओं के भी अपने कई मुद्दे हैं। इनमें शिक्षा, रोजगार, कानून व्यवस्था, कौशल विकास और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। युवा मतदाता चाहते हैं कि रोजगार मिले, कानून व्यवस्था मजबूत हो, खासतौर पर युवतियों के लिए यह महत्वपूर्ण है। कौशल विकास की बात करें तो यह भी जरूरी है। युवाओं का शिक्षा के साथ ही कौशल विकास पर विशेष जोर है ताकि शिक्षा पूरी करने के बाद उन्हें कौशल विकास के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े।

सरकारी भर्तियों में कथित गड़बड़ी को लेकर बार-बार जांच के चक्कर में लेट लतीफी भी युवाओं के बीच एक मुद्दा है। मिल्कीपुर के उपचुनाव में भाजपा और सपा दोनों दलों के प्रत्याशियों ने युवाओं के बीच रोजगार देने का वादा किया है।

किकबॉक्सिंग का 'खेलो इंडिया' में शामिल होना भविष्य का संकेत, खेल ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनेगा:डॉ राजीव त्यागी

चौथे इंटरनेशनल ओपन वाको किकबॉक्सिंग चैम्पियनशिप-2025 का भव्य आगाज

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत की राजधानी में खेल प्रेमियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण आया जब चौथे इंटरनेशनल ओपन वाको किकबॉक्सिंग चैम्पियनशिप-2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रतिष्ठित आयोजन इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के के.डी. जाधव इंडोर स्टेडियम में किया गया, जिसमें 22 देशों के 2,000 से अधिक किकबॉक्सिंग खिलाड़ी विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

शुभारंभ समारोह में वर्ल्ड किकबॉक्सिंग फेडरेशन के चेयरमैन एवं पाँच बार के वर्ल्ड चैम्पियन मिस्टर रोय बेकर, इंडियन किकबॉक्सिंग फेडरेशन के चेयरमैन श्री संतोष अग्रवाल, वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं इंडियन किकबॉक्सिंग फेडरेशन के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट डॉ. राजीव त्यागी, वरिष्ठ आई.ए.एस. एवं हरियाणा के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी श्री आनंद मोहन सरन, एवं वाको इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग टेक्निकल कमेटी के चेयरमैन रोमियो डेजा समेत कई गणमान्य हस्तियों ने दीप प्रज्वलित कर इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। भारत को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिला है, जिसमें ब्रिटेन, आयरलैंड, जर्मनी, क्रोएशिया, एस्टोनिया, ऑस्ट्रेलिया, यू.ए.ई., फिनलैंड, कजाकिस्तान, रूस, स्विट्जरलैंड समेत दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी जूनियर, सब-जूनियर और सीनियर वर्ग में मुकाबला करेंगे।

इंडियन किकबॉक्सिंग फेडरेशन के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट डॉ राजीव त्यागी ने कहा की भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा किकबॉक्सिंग को खेलो इंडिया योजना में शामिल किया जाना इस खेल के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। जल्द ही यह ओलंपिक खेलों का भी हिस्सा बनने जा रहा है। यह चैम्पियनशिप भारत को किकबॉक्सिंग के वैश्विक मंच पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के तत्वावधान में अप्रैल 2025 में राष्ट्रीय स्तर की किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में भारतीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विभिन्न देशों से आए खिलाड़ियों और गणमान्य अतिथियों ने भारतीय संस्कृति की भव्यता की सराहना की। यह प्रतियोगिता 3 फरवरी से 6 फरवरी 2025 तक चलेगी। विजेता खिलाड़ियों को 5 फरवरी की शाम को विभिन्न देशों के खेल मंत्रियों एवं राजनयिकों की उपस्थिति में पदक और पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

भारत में किकबॉक्सिंग के इस ऐतिहासिक आयोजन पर वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने देशवासियों को शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, स्विट्जरलैंड के चीफ रेफरी एंटोनियों सिरेनडोलो, उज्बेकिस्तान के एडिल बायक्युजेब, इंग्लैंड के मार्श पीटर, एस्टोनिया के डेविड मार्श समेत कई अंतरराष्ट्रीय खेल अधिकारियों ने इस प्रतियोगिता की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) कृष्णकांत दवे, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पांडेय एवं मेरठ परिसर निदेशक डॉ. प्रताप समेत कई गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

आप का भाजपा और दिल्ली पुलिस पर बड़ा आरोप, कहा-

शिकायत करने पर चुनाव आयोग ने किया CM आतिशी पर

नई दिल्ली । आप नेता मनीष सिसोदिया, मुख्यमंत्री आतिशी और दुर्गेश पाठक ने आरोप लगाया कि कालकाजी, जंगपुरा और राजेंद्र नगर विधानसभा में सोमवार की रात भाजपा के लोगों ने आचार संहिता का उल्लंघन किया।

आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से भाजपा पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। पार्टी का दावा है कि चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस भाजपा की मदद कर रही है। इनकी शिकायत करने पर पीड़ित के खिलाफ ही दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग कार्रवाई कर रहा है।

आप नेता मनीष सिसोदिया, मुख्यमंत्री आतिशी और दुर्गेश पाठक ने आरोप लगाया कि कालकाजी, जंगपुरा और राजेंद्र नगर विधानसभा में सोमवार की रात भाजपा के लोगों ने आचार संहिता का उल्लंघन किया। इन्हें कैमरों में कैद करने वालों के साथ मारपीट की घटना हुई। शिकायत करने पर मुख्यमंत्री के खिलाफ ही पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग भाजपा की मदद कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि चुनाव आयोग को पूरे देश में सराहा जाता था। लेकिन मौजूदा समय में चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। दिल्ली में निष्पक्ष चुनाव नहीं हो रहे। भाजपा ने दिल्ली में पैसे, सामान बाटे। झुग्गियों में जाकर लोगों को परेशान किया।

परेशान कर रहे भाजपा प्रत्याशी

आतिशी ने कहा कि सोमवार को शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद साइलेंस पीरियड की शुरूआत हो गई। लेकिन भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी की टीम जेजे क्लस्टर में घूम रहे थे। उनकी तस्वीर व दूसरी जानकारी रिटर्निंग ऑफिसर और डीसीपी को दी गई लेकिन संबंधित व्यक्ति पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक दूसरी गाड़ी में रमेश बिधूड़ी के लोग नव जीवन कैंप और नेहरू कैंप की झुग्गियों के आसपास घूम रहे थे। इनकी जीपीएस टैग वाली तस्वीरें हैं।

आतिशी ने कहा कि हमने इस लोकेशन पर चुनाव आयोग को बुलाया। रिटर्निंग ऑफिसर से शिकायत की। फ्लाइंग स्क्वॉड और पुलिस को भी बुलाया। लेकिन जब वहां एसएचओ पहुंचे। तो संबंधित व्यक्ति वहां आसानी से चला गया। वहीं पुलिस ने दो अन्य लोगों के साथ मारपीट की। उन लड़कों को बिना किसी शिकायत या एफआईआर के रात 1 से सुबह 6 तक पुलिस थाने में रखा गया।

पेज एक का शेष...

अपने लिए तो सब करते हैं, संविधान के लिए जीने वाले यहां बैठे हैं', लोकसभा में बोले पीएम

एक एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, दूसरा एस्पिरेशनल इंडिया। हमने स्कूलों में 10 हजार टिंकरिंग लैब बनाए। उसमें से निकले बच्चे रोबोट बनाकर चकित कर रहे हैं। इस बजट में 50 हजार टिंकरिंग लैब्स का प्रावधान किया गया। विश्व के एआई प्लेटफॉर्म में भारत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर चुका है।

पीएम मोदी ने कहा- हमने जनधन, आधार, मोबाइल की जेएएम ट्रिनिटी बनाई और डायरेक्ट ट्रांसफर करना शुरू किया। हमारे कार्यकाल में हमने 40 लाख करोड़ रुपया सीधा जनता-जनार्दन के खाते में जमा किया। पीएम ने कहा- 2014 के पहले ऐसे बमगोले फेंके गए कि देशवासियों का जीवन छलनी कर दिया गया था, हम धीरे-धीरे उन घावों को भरते आगे बढ़े, 2014 के पहले सिर्फ दो लाख रुपये पर इनकम टैक्स से माफी थी, हमने 12 लाख तक की आय करमुक्त कर दी है। पहली अप्रैल के बाद देश में वेतनभोगियों के पौन तेरह लाख रुपये तक कोई इनकम टैक्स नहीं देना पड़ेगा। पीएम ने आगे कहा- 12 लाख की आय पर टैक्स न लगाने की बात इतनी फैली की लोगों का अन्य फैसलों पर ध्यान नहीं गया, मैं बता दूं कि सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए, हमने न्यूक्लियर सेक्टर को खोल दिया है, इसका असर आगे देखने को मिलेगा।

'हमने पैसों का इस्तेमाल शीशमहल बनाने में नहीं किया'

पीएम मोदी ने केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा- हमने पैसों का इस्तेमाल शीशमहल बनाने में नहीं किया, देश बनाने में किया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर का बजट 1.80 लाख करोड़ था। आज 11 लाख करोड़ रुपया बजट है। सरकारी खजाने में बचत हुई वो तो एक बात है, हमने इस बात पर भी ध्यान रखा कि जन सामान्य को भी बचत का लाभ मिलना चाहिए। आपने देखा होगा कि आयुष्मान भारत योजना, बीमारी के कारण आम आदमी को होने वाला खर्च करीब देश में एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए जनता के बचे हैं। जनऔषधि केंद्र में 80 फीसदी डिसकाउंट होता है। जनता के 30 हजार करोड़ रुपए बचे हैं। यूनिसेफ का भी अनुमान है कि जिसके घर में शौचालय बना, उस परिवार को करीब करीब 70 हजार की बचत हुई है। पीएम मोदी ने अपने भाषण के दौरान बताया कि, डब्ल्यूएचओ का कहना है कि नल से शुद्ध जल मिलने के कारण उन परिवारों में औसतन 40 हजार प्रति परिवार बचा है। ऐसी अनेक योजनाएं हैं जिन्होंने सामान्य आदमी के खर्च में बचत की है, करोड़ों देशवासियों को मुफ्त अनाज से भी परिवार के हजारों रुपये बचते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि एक प्रधानमंत्री रट गए थे इक्कीसवीं सदी, इक्कीसवीं सदी। आरके लक्ष्मण ने एक कार्टून बनाया था, एक हवाई जहाज था, एक पायलट था और 21वीं सदी लिखा था, ये हवाई जहाज एक ठेले पर रखा हुआ था और मजदूर उसे धक्का लगा रहे थे। ये कार्टून बताता है कि तब के प्रधानमंत्री कितने कटे हुए थे। तब 21वीं सदी की बातें की थी जो 20वीं सदी की जरूरतें भी पूरा नहीं कर पाए थे।

हंगामे के बीच पीएम मोदी का संबोधन जारी-पीएम मोदी ने हंगामे के बीच अपना संबोधन जारी रखा, पीएम मोदी ने कहा- जब ज्यादा बुखार हो जाता है, तो वे कुछ भी बोलते हैं और ज्यादा हताशा में भी। 10 करोड़ लोग जिनका भारत में जन्म भी नहीं हुआ, वे तमाम योजनाओं का फायदा ले रहे थे, हमने उनको हटाया और असली लाभार्थियों को खोज-खोज के लाभ पहुंचाने का अभियान चलाया। हिसाब लगाएं तो तीन लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बच गया। पीएम मोदी ने कहा- हमारे स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाया जाता था, न जाने क्या-क्या कहा जाता था। इस अभियान के तहत कबाड़ बेचकर दो हजार 300 करोड़ रुपये सरकार के खजाने में आया है। पीएम मोदी ने कहा- लेकिन पहले अखबारों की हैडिंग होती थी। इतने लाख के घोटाले, 10 साल हो गए ये घोटाले न होने से भी लाखों करोड़ रुपए बचे हैं। जो जनता की सेवा में लगे।

पीएम मोदी ने राहुल-केजरीवाल पर साधा निशाना- पीएम मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि- जो लोग गरीबों की झोपड़ियों में फोटो सेशन कराकर सुर्खियां बटोरते हैं, उन्हें संसद में गरीबों की बात बोरिंग ही लगेगी। पीएम ने कहा- समस्या की पहचान करके छूट नहीं सकते, समस्या का समाधान भी करना होता है। हमारा प्रयास समस्या के समाधान का रहता है और हम समर्पित भाव से प्रयास करते हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा - कुछ लोगों का फोकस आलीशान घरों में जकूजी और शॉवर पर है। पीएम ने कहा कि कुछ नेताओं का फोकस अपने घर के स्टाइलिश बाथरूम पर है। हमारा फोकस तो हर घर नल से जल पहुंचाने पर है। 12 करोड़ लोगों को नल से जल दिया, हमारा फोकस गरीबों के घर बनाने पर है। पीएम मोदी के संबोधन के दौरान विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की, इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष को फटकार लगाई।

'हमने पांच-पांच दशक तक गरीबी हटाओ के नारे सुने'-लोकसभा में पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा, मैं आज जनता जर्नादन का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। सदन में जिन लोगों ने भी इस चर्चा में हिस्सा लिया, मैं उन सभी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि सदन में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की बातें हुईं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 21वीं सदी का 25 फीसदी हिस्सा बीत चुका है। राष्ट्रपति ने देश के सामने भविष्य के 25 साल की बात रखी। एक प्रकार से आदरणीय राष्ट्रपति जी का ये उद्बोधन विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देने वाला है, नया विश्वास पैदा करने वाला है और जन-सामान्य को प्रेरित करने वाला है। पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। हम लोगों ने पांच-पांच दशक तक गरीबी हटाओ के नारे सुने। हमने गरीब को झूठे नारे नहीं दिए, सच्चा विकास दिया। हम जमीन से जुड़कर काम करते हैं, तो बदलाव होते ही हैं। अब तक गरीबों को चार करोड़ घर मिले हैं, जिन लोगों ने वो जिंदगी जी है वो जानते हैं कि पक्की छत मिलने का क्या मतलब होता है। आजादी के 75 साल के बाद देश में 16 करोड़ से ज्यादा घरों में नल का कनेक्शन नहीं था। हमारी सरकार ने 5 साल में 12 करोड़ परिवारों के घरों में नल-से-जल देने का काम किया है।

लोकसभा में पहुंचे पीएम मोदी-लोकसभा में पहुंचे पीएम मोदी, राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दें रहे हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सदन में उनके भाषण के दौरान 'झूठ और बदनामी अभियान' के लिए विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सोमवार को विपक्ष के नेता के भाषण पर सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद दुबे ने अध्यक्ष को अपना नोटिस सौंपा और दावा किया कि कांग्रेस नेता अपने संसदीय विशेषाधिकार का इस्तेमाल अपने आरोपों को प्रमाणित किए बिना झूठ फैलाने के लिए कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में मुख्य रूप से दावे किए गए थे, जिसमें यह भी शामिल था कि मोबाइल फोन भारत में नहीं बनते बल्कि यहां केवल असेंबल किए जाते हैं और चीन ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है।

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया था कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रण देने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को अमेरिका भेजा था। उनके आरोप महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए मतदाता सूची और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के कानून से भी संबंधित थे।

'सपा और कांग्रेस सनातन विरोधी महाकुंभ पर फैला रहे झूठ'

उन्होंने कहा कि संसद में इन्होंने जो बयान दिया है यह इनकी सनातन धर्म विरोधी चरित्र को दिखाता है और यह बताता है की यह सनातन धर्म से कितनी नफरत करते हैं। महाकुंभ पर इनकी गिद्ध दृष्टि लगी हुई थी।

भगदड़ को लेकर योगी ने कहा कि यह एक दुखद घटना थी। मेला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह अपने आप में एक उदाहरण है। उस दिन करोड़ों लोग प्रयागराज में थे। ये दोनों दल और सनातनी विरोधी चाहते थे कि कोई बड़ा हादसा हो जाए। हमारी पहली प्राथमिकता दुर्घटना-मुक्त मेला सुनिश्चित करना था, दुर्भाग्य से यह घटना हुई...हमने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और मौद्रिक मुआवजे की घोषणा की। जानमाल के नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती लेकिन हमने हरसंभव प्रयास किये।

उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज मुहैया कराया गया। हमने इसके लिए एक न्यायिक आयोग भी बनाया।' लेकिन हमारी प्राथमिकता लोगों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करना थी। पिछले 22 दिनों में 38 करोड़ श्रद्धालु यहां आए हैं। अगले 22-23 दिनों में और भी श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इन पार्टियों की साजिश सफल नहीं होगी। हम 29 जनवरी को हुई घटना की गहराई तक जाएंगे, साजिशकर्ताओं को बेनकाब करेंगे, पिछले 8 सालों में आपने देखा होगा कि यूपी में उन्हें कैसे सजा मिली है और आने वाले समय में भी आप ये देखेंगे।

महाकुंभ में डुबकी लगाएंगे पाकिस्तानी, मोदी सरकार ने दिया है 10 दिन का वीजा

महंत ने बताया कि वह अस्थियों को हरिद्वार में विधि विधान से विसर्जित करने के बाद प्रयागराज में कुंभ स्नान भी करेंगे।

इन अस्थियों को गंगाजी में बहाने के लिए मंदिर अथव श्मशानघाट में कलश में सुरक्षित रखा गया था। संबंधित परिवारों की इच्छा थी कि इन अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया जाए ताकि सभी की आत्मा को शांति मिले। भारत सरकार की तरफ से इस कार्य के लिए दो साल पहले ही अनुमति दे दी गई थी।

महंत श्री रामनाथ 2011 और 2016 में भी हिंदुओं की अस्थियों को प्रवाहित करने के लिए भारत ला चुके हैं। इस कार्य के लिए उन्हें भारत सरकार की ओर से 10 दिन का वीजा दिया गया है।

2 मार्च को मतदान, सभी जिलों में आचार संहिता लागू

इस बार भी मेयर पद ओपन ही रहेगा। इससे पहले पिछली बार भी यह पद ओपन ही था और गौतम सरदाना इस पद पर चुने गए थे। मेयर पद ओपन होने से इस पद के लिए चुनाव लड़ने वालों की संख्या काफी ज्यादा रहेगी। वहीं इस बार वार्डों के आरक्षण में काफी बदलाव हुआ है, जिस कारण पिछले कार्यकाल में पार्षद चुने गए इस बार मैदान में नजर नहीं आएंगे। वहीं इस बार कई नए चेहरे चुनावी मैदान में देखने को मिलेंगे।

आरक्षित वार्ड का विवरण
श्रेणी-वार्ड
एससी-16 व 18
एससी महिला-9
बीसी ए-20
बीसी ए महिला-3
बीसी बी महिला-15
सामान्य वर्ग महिला-1, 6, 10 , 14
ओपन वार्ड-2, 4, 5, 7, 8,11, 12, 13,17,19

अधिकारी के अनुसार

नगर निगम के सभी वार्डों की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन हो गया है। इससे पहले इस संबंध में आपत्तियां और दावे मांगे गए थे। मतदाता सूची को जिला प्रशासन की वेबसाइट ल पर अपलोड किया जा चुका है। -अनीश यादव, उपायुक्त।

बजट के बाद पहली बार बाजार में लौटी खरीदारी; सेंसेक्स 1397 अंक चढ़ा, निफ्टी 24750 के करीब

कारोबार के दौरान यह 1,471.85 अंक या 1.90 प्रतिशत बढ़कर 78,658.59 अंक पर पहुंच गया।

एनएसई निफ्टी 378.20 अंक या 1.62 प्रतिशत बढ़कर 23,739.25 पर पहुंच गया, जो 3 जनवरी के बाद से अब तक का उच्चतम स्तर है। 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में से लार्सन एंड टूब्रो में करीब 5 फीसदी की तेजी आई। अडानी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एशियन पेंट्स भी प्रमुख लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में तेजी, यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में गिरावट-आईटीसी होटल्स, जोमैटो, नेस्ले और मारुति पिछड़ने वालों में शामिल थे। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग में उल्लेखनीय तेजी रही। यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नकारात्मक दायरे में बंद हुए।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कल, भारतीय बाजार 'ट्रम्प टैरिफ युद्ध' से उपजे भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण अच्छे केंद्रीय बजट से उत्पन्न आशावाद को आत्मसात करने के लिए संघर्ष कर रहा था। हालांकि, भारत एक कमजोर वैश्विक बाजार में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, और वैश्विक भावना में सुधार के कारण घरेलू इक्विटी में तेज उछाल आया है।"

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट-जवैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.05 प्रतिशत गिरकर 75.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 3,958.37 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।

बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को 319.22 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 77,186.74 अंक पर बंद हुआ था, जिससे बाजार में पांच दिन की तेजी थम गई थी। निफ्टी 121.10 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 23,361.05 अंक पर बंद हुआ था।

बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी ASP

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद अब जमीनी स्तर पर मजबूती से काम किया जाएगा, जिससे दलित, महादलित और अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को हल किया जा सके।

एनडीए और महागठबंधन पर साधा निशाना-प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार दलितों और अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार उन्हें न्याय नहीं दिला रही, वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे बैठा है। उन्होंने महागठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि विपक्ष के नेताओं को बंद कमरों में बयान देने के बजाय सड़कों पर उतरकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

6000 से अधिक दलित-अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामले-उन्होंने बताया कि बिहार में दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक राज्य में 6000 से अधिक उत्पीड़न के मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन अधिकांश पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था न्याय दिलाने में असफल हो रही है और बिहार की कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहा भ्रष्टाचार-प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार में हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य में बार-बार परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, जिससे मेधावी छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार न तो शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में सक्षम है और न ही रोजगार की गारंटी देने में।

इस दौरान आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। इनमें भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष डॉ. निलेश कुमार, आजाद पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष इंद्र प्रसाद राम, युवा जिला अध्यक्ष मोहम्मद अनामुल हुसैन और प्रदेश महासचिव डीएस रविदास प्रमुख रूप से शामिल थे।

मंडलीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ . एन. ए. एस. इंटर कॉलेज मेरठ के प्रांगण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश एवं जिला विज्ञान क्लब, मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में मंडलीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला अधिकारी, मेरठ डॉक्टर वी.के. सिंह ने फीता काटकर किया। इस विज्ञान प्रतियोगिता का मुख्य विषय था- वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान। इसमें मेरठ मंडल के प्रायः सभी जनपदों,जैसे- मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर एवं बागपत के जनपदीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिला विज्ञान क्लब, मेरठ की ओर से कार्यक्रम समन्वयक श्री दीपक शर्मा ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। जिला विद्यालय निरीक्षक मेरठ, श्री राजेश कुमार ने छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व विधायक श्री राजेंद्र शर्मा ने नवागत जिलाधिकारी डॉ.वी. के. सिंह का वाचिक स्वागत किया और उनके अनुभवों का लाभ मेरठ को मिलेगा, ऐसी कामना की।

जिलाधिकारी महोदय ने अपने उद्बोधन में बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और उन्हें इस बात के लिए प्रेरित किया कि वे हमेशा अपनी सोच को वैज्ञानिक रखते हुए राष्ट्र और समाज की उन्नति में सहायक अनुसंधान को करने का प्रयास करेंगे। छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडल का मूल्यांकन श्री प्रमोद भूषण शर्मा, डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता, श्री आशीष कुमार, श्री पुष्पेंद्र कुमार, श्री मोहनलाल एवं श्री संतोष कुमार ने किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डी.पी.एस. नोएडा के यश को प्राप्त हुआ, जिसने अर्ली डिटेक्शन आफ राइस ब्लास्ट सिस्टम बनाया। यश को पुरस्कार के रूप में रुपया 10000 प्रदान करने की घोषणा की गई। दूसरा स्थान वी.आर.एस.बी. इंटर कॉलेज, कलौंदा, गौतमबुद्ध नगर के उत्कर्ष को प्राप्त हुआ, जिसने आटोमेटिक स्पीड कंट्रोलर बनाया। उत्कर्ष को रुपया 7000 देने की घोषणा की गई। तीसरा स्थान एन. ए. एस. इंटर कॉलेज, मेरठ के लोकेश को प्राप्त हुआ, जिसने हथकरघा से संबंधित प्रोजेक्ट बनाया। लोकेश को ?5000 प्रदान करने की घोषणा की गई।

पांच छात्रों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सांत्वना पुरस्कार प्रति छात्र ?2000 की दर से प्रदान किया गया। इन छात्रों के नाम इस प्रकार हैं- आदित्य (शिवचरण इंटर कॉलेज, बुलंदशहर), गुरुदत्त सेन (विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बुलंदशहर), मोहम्मद गुफरान (श्री सरस्वती विद्यालय इंटर कॉलेज, हापुड़), सूरज (एसजेपीएस, निजामपुर, हापुड़)। कार्यक्रम में सह जिला विद्यालय निरीक्षक सुश्री पारुल वर्मा, विद्यालय के शिक्षक श्री राजकुमार शर्मा, डॉ.सत्य प्रकाश शुक्ल, श्रीमती शशीबाला, श्री अश्वनी कुमार, श्री वीरेंद्र कुमार भगत, श्रीमती पंकज गुप्ता, श्री राकेश कुमार, डॉ.सोहन पाल सिंह, डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती सरिता सिंह, डॉ. दीपक कुमार तोमर, डॉ. स्वाति शर्मा, श्री रजत कुमार बालियान, श्री अक्षय पाराशर, श्रीमती आकांक्षा एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन श्री अजीत कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक वरिष्ठ विज्ञान शिक्षक श्री दीपक शर्मा रहे। कार्यक्रम का समापन माननीय श्री हृषीकेश भास्कर यशोद (आयुक्त, मेरठ मंडल) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। माननीय मंडलायुक्त ने ट्रायल एंड एरर की प्रक्रिया को अपनाकर निरंतर समावेशी अनुसंधान को करते रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ इस तरह के कार्यों को आयोजित कराने के लिए संबंधित जिम्मेदारों को उत्साहित करते हुए उनके मंगलमय भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्रीमती आभा शर्मा ने आए हुए अतिथियों एवं विभिन्न जनपदों के सम्मानित शिक्षकों व छात्रों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

विश्व कैंसर दिवस-एसआरएमएस मेडिकल कालेज में सस्मान के बाद कैंसर विजेताओं ने दिया संदेश

एनपीटी ब्यूरो

बरेलीः श्रीराममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की ओर से विश्व कैंसर दिवस पर मंगलवार (चार फरवरी 25) कैंसर से जंग लड़कर मात देने वाले कैंसर विजेताओं का सम्मान किया गया। कैंसर विजेताओं ने बीमारी की जानकारी और इसके उपचार के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। सभी ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में मिले उपचार पर संतुष्टि जताई और यहां के डाक्टर और स्टाफ की सराहना की। एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति जी ने सभी कैंसर मरीजों की हिम्मत को सराहा और उन्होंने इस महामारी से बचाव के लिए दूसरों को जागरुक करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि एसआरएमएस में 2007 में कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित किया गया। तब इसका इलाज आसपास नहीं होता था, इसके लिए दिल्ली और लखनऊ जाना मरीजों की मजबूरी थी। इसी को देखते हुए एसआरएमएस ट्रस्ट ने कैंसर इंस्टीट्यूट

स्थापित किया। यहां विश्वस्तरीय टेक्नोलाजी के साथ अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए। यह सब काम पैसे के लिए नहीं बल्कि बीमार की सेवा का संकल्प होने के चलते किया गया। तब से यहां पर 40 हजार से ज्यादा मरीजों का उपचार किया जा चुका है।

इससे पहले एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के विभागाध्यक्ष डा.पियूष अग्रवाल ने कैंसर, इससे बचाव के उपाय बताने के साथ सेंटर में उपलब्ध तकनीक और उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2007 में स्थापित इस कैंसर इंस्टीट्यूट को 18 वर्ष हो चुके हैं। तब से हमने यहां 40 हजार से ज्यादा कैंसर मरीजों का उपचार किया है। दूसरे विभागों के सहयोग से यहां पर हर तरह के कैंसर का उपचार किया जा रह है। पिछले वर्ष यहां ओंको फर्टिलिटी और पीडियाट्रिक ओंकोलाजी जैसे विभाग भी स्थापित किए। कार्यक्रम का संचालन डा.रशिका सचान ने किया। इस मौके पर मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ.आरपी सिंह, डा.निर्मल यादव, डा.रोहित शर्मा, डा.बिंदू गर्ग, सभी विभागाध्यक्ष और डा.अरविंद सिंह चौहान, डा.पवन मेहरोत्रा, डा.आयुष गर्ग, डा.शुभांशु गुप्ता सहित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट सेंटर का स्टाफ और टीम मौजूद रही।

पोस्ट-बजट विश्लेषण 2025: एमएसएमई के दृष्टिकोण पर पैनल चर्चा

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ। एमआईईटी, मेरठ के एमबीए विभाग द्वारा पोस्ट-बजट विश्लेषण 2025 पर एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें बजट के समष्टि आर्थिक प्रभाव और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस चर्चा में प्रमुख उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें मेरठ मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकुर जग्गी, उद्यमी एवं उद्योग विशेषज्ञ गौरव कुमार जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पत्रकार कमल भार्गव और एमआईईटी के उपाध्यक्ष पुनीत अग्रवाल शामिल रहे। कार्यक्रम में कैम्पस निदेशक प्रो. (डॉ.) एस.के. सिंह, एमबीए विभागाध्यक्ष डॉ. मधु बाला शर्मा, संकाय सदस्य, छात्रगण एवं आयोजन समन्वयक सुश्री स्वाति अग्रवाल एवं सुश्री शुभांगी गोयल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। चर्चा में बजट 2025 में

एमएसएमई क्षेत्र के लिए वित्तीय सहायता, कर प्रोत्साहन, पूंजी पहुंच, तकनीकी विकास और बाजार विस्तार से संबंधित प्रमुख प्रावधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया। विशेषज्ञों ने सरलीकृत नियामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिससे व्यवसाय संचालन को अधिक सुगम एवं पारदर्शी बनाया जा सके। पैनल ने संरचनात्मक सुधारों और मजबूत वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि सरकार द्वारा घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से एमएसएमई क्षेत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इस चर्चा ने राजकोषीय नीतियों, आर्थिक संभावनाओं और व्यापारिक रणनीतियों पर गहन दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि संरचनात्मक सुधारों और वित्तीय सहयोग के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और भारत की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक गति मिलेगी।

मां सरस्वती पूजन एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

साहित्यक संस्था उत्तरप्रदेश साहित्य सभा इकाई ललितपुर के तत्वावधान में मां सरस्वती पूजन एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन आजादपुरा ललितपुर स्थित श्री सत्यनारायण शुक्ला के आवास पर किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री लक्ष्मी नारायण पटैरिया ने एवं कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन श्री बृजमोहन संज्ञा ने किया। सर्वप्रथम पं विनोद मिश्रा(पत्रकार)ने वैदिक रीति से मां सरस्वती का पूजन संपन्न कराया। फिर स्थानीय कवियों ने कार्यक्रम को देर रात तक जीवंत बनाये रखा। अखिलेश शांडिल्य द्वारा की गयी वीणा पाणि की वन्दना के उपरांत क्रमशः आकाश जैन, संजय सदर, सुमित साहू, के.के.पाठक, मनोज मोहक, राजेश लिटोरिया, बालमुकुंद सोनी, शीलचन्द्र जैन, वीरेंद्र विद्रोही, रमेश पाठक रविन्द्र, संस्था के संयोजक महेश नामदेव, सुदेश सोनी, जहीर ललितपुरी, मनमोहन संज्ञा द्वारा काव्यपाठ किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में अध्यक्षता कर रहे श्री लक्ष्मी नारायण पटैरिया ने काव्यपाठ के साथ साथ बसन्तपंचमी की शुभकामनाएं दीं, बुंदेलखण्ड विकास सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने बसन्तपंचमी के महत्व पर चर्चा की।

कार्यक्रम में श्री सुधांशु शेखर हुण्डैत, नवल किशोर सोनी, राकेश अगरिया, प्रबल सक्सेना, लक्ष्मीनारायण आचार्य, श्री अरुण गोस्वामी, श्रीकृष्ण पटेरिया, अमित चुरारिया, विपिन निरंजन, सत्यपाल यादव, राजीव पटेरिया, अरविंद राजपूत ,भगतसिंह राठौर, दीपक पटवारी ,कन्हैया नामदेव, विनय रिछारिया, आशीष मिश्रा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम संयोजक अखिलेश शांडिल्य एवं सत्यनारायन शुक्ला ने सभी का आभार किया तथा प्रसाद वितरण संपन्न हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली में पूर्व परामर्शदाता श्रीमती अमृता राय को अंतर्राष्ट्रीय न्यायविद् के परिषद लंदन ,में प्रतिष्ठित सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है ।

बताते चले इससे पहले श्रीमती राय मानवाधिकार आयोग और सामाजिक मुद्दों से जुड़े विषयों पर सदैव तत्परता से लड़ाई लड़ चुकी है । सर्वोच्च न्यायालय में रहते हुए श्रीमती राय ग्रामीण विकास संस्थान(उत्तर प्रदेश)एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं में आंतरिक शिकायत समिति के सदस्या के रूप में अपनी सेवा दे चुकी हैं ।

महाकुंभ में देवदूत बने इलाहाबाद वि.वि. के छात्र

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,तीर्थनगरी प्रयागराज में चल रहे दिव्य, भव्य एवं विशाल महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ से पूरा देश दुखी है पर इसी घटना के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुछ छात्र-छात्राएं देवदूत की तरह प्रकट हुए व महाकुंभ में लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करके मानवता की मिशाल कायम कर दी। इस पावन-पुनीत कार्य का कुशल संचालन कर रहे सर पीसीबी छात्रावास के अन्तेवासी छात्रनेता अमन मिश्र ने बताया कि मौनी अमावस्या के दिन से अनावरत लल्ला चुंगी (महिला छात्रावास गेट) पर भंडारा चल रहा है व जिन श्रद्धालुओं को मौसम अनुकूल न होने के कारण रुकने में समस्या हो रही थी

उनके रुकने की व्यवस्था भी की जा रही है, इस पुनीत कार्य में रामनगरी अयोध्या के कुमारगंज निवासी शिवांश सिंह भी अपना भरपूर सहयोग दे रहे है, शिवांश सिंह ने बताया की हमारे छात्रावास के ही भव भारत सिंघल, प्रीत उपाध्याय, सूर्यांशु मिश्रा, सुजल सिंह, अतुल सिंह, राहुल गौंड, मदन गुप्ता, अनूप यादव, सूरज यादव, निखिल व महिला छात्रावास की रिया सिंह, शैवालिनी, कीर्ति,जाह्नवी,प्रतीक्षा, स्मृति, विभूति, दिव्या आदि का भरपूर सहयोग मिल रहा है।सहयोग राशि जुटाने में प्रीत उपाध्याय व महा देवी वर्मा छात्रावास की बहनों का मुख्य रूप से योगदान रहा। हमारी सरकार व स्वयंसेवी संस्थाओं को ऐसे होनहार देवदूत छात्रों को चिन्हित कर उनका सम्मान करना चाहिए व भावी पीढ़ी को ऐसे पुण्य कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

अयोध्या की दलित बेटी के हत्यारों को फांसी की माँग - समाजवादी महिला सभा ने निकाला कैंडल मार्च.

बरेली , उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसे जानकार किसी का भी दिल दहल जाए अयोध्या में एक दलित युवती की नृशंस हत्या कर दी गई थी। युवती की लाश ऐसी हालत में मिली थी, जिसे देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। 22 साल की लड़की के साथ पहले दुष्कर्म किया गया, फिर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई और शव को बिना कपड़ों के नहर में फेंक दिया गया था। इस घटना को लेकर समाजवादी महिला सभा द्वारा अपनी महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव के आह्वान पूरे प्रदेश में कैंडल मार्च निकालकर मृतका की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना और इस घटना के आरोपियों को कड़ी सजा के रूप में फांसी की माँग प्रदर्शन के माध्यम से की गई।

खाटूश्याम मंदिर पर हुआ 12 घंटे तक श्री श्याम अखंड संकीर्तन

एनपीटी, ब्यूरो

आगरा । अलौकिक श्रृंगारित खाटू बाबा और संगीत की मधुर ध्वनि पर होता संकीर्तन। जयकारों के बीच भक्तों ने अखंड ज्योति प्रवज्जलित कर कार्यक्रम की शुरूआत के साथ ही भक्तिमय गीतों पर झूमते श्रद्धालु। यह नजारा था सोमवार को जीवनी मण्डी स्थित खाटूश्याम मंदिर का, जहां श्याम आस्था परिवार खाटूधाम की ओर से 12वें वार्षिक उत्सव पर श्री श्याम महोत्सव के अवसर पर लगातार 12 घंटे के श्री श्याम अखंड संकीर्तन का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के सदस्यों ने खाटू श्याम जी के समक्ष छोटा खाटूधाम से आए शुभम भइया ने पावन ज्योति प्रवज्जलित कर मंगल आरती उतार कर किया।

जयपुर से आयी गायिका रजनी राजस्थानी ने जब भी श्याम दीवानो के सर पर संकट मडरायेगा, कन्हैया दौड़ा आएगा.., आने वाली ग्यारस की रात है बस कुछ दिनों की बात है..., टाटा नगर के गायक अनुभव अग्रवाल ने तेरी रहमतो का दरिया सरे आम चल रहा है.., आयो सावरिया सरकार...,

भिवानी से अनुराग मित्तल ने श्याम दिखता नहीं पर वो मौजूद हैं... और पलवल से इशिता शर्मा ने जिसकी नैया श्याम भरोसे... आदि भक्ति गीत गा कर भक्ति रस बिखेरा। कीर्तन की शुरूआत स्थानीय भजन गायक अनूप गोयल, प्रबल गोयल, प्रखर लोहिया, नरेश खत्री, वर्षा गर्ग, त्रिलोकी शर्मा, विकास सोनी, बंसी वर्मा, यश राज, शुभम गोयल, अंशुल गोस्वामी और यश सिंघल ने की।

ऑर्चिड के फूलो से सजी मनोहारी छटा

श्याम बाबा का श्रंगार कोलकाता से आये रजनीगंधा, ऑर्चिड के फूल, दिल्ली से आये सफेद गुलाब और बेला के फूलो और कन्नौज के सुगन्धित इत्रों से सोनू गोयल ने श्याम दरबार सजाया। श्री श्याम तीज महोत्सव में पुष्प इत्र वर्षा के मध्य अलौकिक श्रृंगार, अखंड ज्योति व श्याम रसोई का श्याम प्रेमियों ने भक्ति लाभ प्राप्त किया। देर रात तक चले संकीर्तन में श्यामप्रेमी खाटू नरेश की भक्ति में बेसुध हो कर भक्ति में झूमते रहे।

खचाखच भरा रहा मंदिर हॉल

संकीर्तन में आये अन्य गायको की अपेक्षा जयपुर से आई खाटू श्याम प्रेमियों के दिल पर राज करने वाली प्रख्यात भजन गायिका रजनी राजस्थानी को सुनने की दीवानगी ने श्रोताओं को देर रात तक रोके रखा। संकीर्तन के दौरान मंदिर हॉल खचाखच भरा रहा और श्याम बाबा के जयकारो से गुंजायमान होता रहा।

विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

एनपीटी, ब्यूरो

आगरा। रेडिएशन ऑंनकोलॉजी विभाग, स. ना. मे. कॉ. आगरा द्वारा विश्व कैंसर दिवस पर एक कैंसर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की आयोजक विभागाध्यक्ष रेडिएशन ऑनकोलॉजी डॉ. सुरभि गुप्ता ने बताया कि हर वर्ष 4 फरवरी को विश्व भर में यह दिवस कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए अलग अलग तरीकों से मनाया जाता है । इस बार की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है। यानी हर कैंसर रोगी की विशिष्ट आवयकताओं को पूरा करने के लिए कैंसर उपचार को अनुकूलित करना चाहिए ।सब लोग अलग अलग तरीकों से इससे लड़ते है पर सबका उद्देश्य एक है इसको जड से समाप्त करना। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता द्वारा द्वीप प्रज्वलन करके

की गई। उन्होंने कैंसर के प्रति जागरुकता के अभियान को जन साधारण तक पहुँचाने के लिये मेडिकल , पैरामेंडिकल सभी स्टाफ को एक जुट कार्य करने के लिए आवाहन पर जोर दिया।उन्होंने बताया कि कैंसर के हर मरीज को एक कोम्प्रेहेंसिवे ट्रीटमेंट की जरूरत होती है इसके लिए शीघ्र ही मल्टी डिसिप्लिनरी टीम बनाई जाएगी। उन्होंने बताता स्टेट ऑफ आर्ट लीनाक मशीन से जटिल से जटिल कैंसर की सटीक रेडियोथेरेपी हो सकेगी । स्त्रीरोग एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ रिचा सिंह ने , सर्वाइकल कैंसर के कारणों, लक्षण एवं इलाज के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सर्वाइकल वैक्सीन के बारे में लोगो के भ्रम को भी दूर किया। आन्कोसर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल द्वारा बताया गया कैंसर से बचाव के लिए तंबाकू और मदिरा के सेवन से दूर रहना है, नियमित व्यायाम करना है, खाने में फल और सब्जियों का सेवन ज्यादा करे, मोटापे से बचे, एचपीवी वैक्सिनेशन ले, ब्रेस्ट कैंसर और सर्विकल कैंसर की स्क्रीनिंग समय पे कराए। लक्षण आने पे कैंसर रोग विशेषज्ञ को दिखाए। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग स्टूडेंट ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। पोस्टर कम्पटीशन में प्रथम , दितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः कनिष्का, सिमरन एवं बाला वरदानी को मिला। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार – अनामिका ,नेहल एवं अलका को मिला।निर्णायक मंडली में डॉ दिव्या श्रीवास्तव, डॉ रेनू अग्रवाल , डॉ तबस्सुम समानी ,डॉ रूपाली, डॉ. नीतू , डॉ अंशिका अरोड़ा , डॉ गीतू एवं डॉ योगिता रहे । कार्यक्रम का संचालन डॉ. जरीन अशरफ द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.सीमा यादव , प्रिंसिपल ,कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मिस्टर शंकर गुंडइयाँ, डॉ विकास गुप्ता , डॉ ऐशना, डॉ कमल , डॉ उत्कर्षा , डॉ ध्रुव , डॉ सलोनी एवं डॉ दीपांशी का विशेष योगदान रहा।

संपादकीय

भारत के सुरक्षात्मक उपायों से जगी उम्मीद

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरूआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है। आर्थिक विशेषज्ञ कयास लगा रहे हैं कि मोदी की अमेरिका यात्रा में ट्रंप भारत से व्यापार असंतुलन दूर करने को कह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत अमेरिका से आधुनिक अस्त्र, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस तथा कृषि उत्पाद आयात बढ़ाकर टैरिफ युद्ध की छाया से बच सकता है। बाकी कुछ ट्रंप की प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करेगा। लेकिन साथ ही भारत को विश्व व्यापार संगठन के सभी देशों के लिए समान टैरिफ नियम का भी पालन करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य भी सामने हैं।

राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है।

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दशार्ता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की ह्यमुंह में राम और बगल में छुरीह्ण वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

कारगर तंत्र बने महामारियों से निपटने को

भविष्य की महामारियों पर नीति आयोग के एक हालिया दस्तावेज ने आपातकालीन स्वास्थ्य प्रबंधन कानून लागू करने की सिफारिश की है ताकि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, रोकथाम, नियंत्रण और प्रतिक्रिया बनाने के लिए त्वरित उपाय पहले से तैयार रहें।

लोगों के जहन से कोविड-19 महामारी के दौरान हुई तबाही, मौतें और सामाजिक अफरातफरी का दृश्य और उससे पाई सीख धीरे-धीरे मिटती जा रही है। ऐसा होना नहीं चाहिए। इस किस्म की पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेने की क्षमता रखने वाली महामारी न तो पहली स्वास्थ्य आपात स्थिति थी और न ही आखिरी। कोई भी असाधारण घटना, जो बीमारी के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार के माध्यम से सबके स्वास्थ्य के लिए जोखिम का कारण बन जाए, तो इसका मतलब है ऐसी गंभीर, अप्रत्याशित या असामान्य स्थिति बनना, जिससे निपटने के लिए समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।

वर्ष 2007 से लेकर, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आधिकारिक तौर पर सात बार अंतर्राष्ट्रीय चिंता वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किए हैं। जैसे कि, इन्फ्लुएंजा महामारी (2009), इबोला (2013-2015 और 2018-2020), पोलियो माइलाइटिस (2014 से अब तक), जीका (2016), कोविड-19 महामारी (2020) और एमपॉक्स (2022 और 2024)। उनकी आवृत्ति और प्रसार की नियमितता के आलोक में, तार्किक रूप से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अगली एक महामारी हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है।

सवाल है कि महामारी का कारण क्या है? वर्तमान सहस्राब्दी के दौरान, अधिकांश महामारियां वस्तुतः पशुओं से मनुष्यों में दाखिल हुए वायरस के कारण बनी हैं, जो मूलतः वन्यजीवों के अंदर होते हैं, जहां पर उनके अंदर लाखों-लाख वायरस पल रहे होते हैं। इनमें से अधिकांश वायरस चमगादड़ों के माध्यम से वन्यजीवों से आसपास के जानवरों और मानव बस्तियों में पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय स्तर के प्रकोप से लेकर बड़े पैमाने की महामारी बनती है या फिर महामारी बनने की संभावना बलवती हो जाती है। पर्यावरण का क्षरण, विशेष रूप से वनों की कटाई की वजह से, जंगली जीवों की निकटता घरेलू पशुओं एवं मानव बस्तियों से बढ़ जाती है, जिससे नए-नए वायरस के उभरने और फैलाव का खतरा पैदा हो जाता है।

निःसंदेह, नित बन रही इन आपात स्थितियों को रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उचित तैयारी के साथ, समुदायों के लिए बनने वाले जोखिमों को कम किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक उपकरण-आधारित तंत्र विकसित करने और लागू करने के काम में समन्वय किया है। वर्ष 2005 का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन 193 सदस्य देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी एक संधि है। यह राष्ट्रों से पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदाओं की जानकारी साझा, स्वास्थ्य आपात स्थितियों की रोकथाम, उनका पता लगाने और प्रतिक्रिया के लिए अपनी राष्ट्रीय कोर क्षमता का निर्माण करने का आह्वान करता है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के स्व-मूल्यांकन के अनुसार, वैश्विक औसत 66 प्रतिशत के मुकाबले भारत का स्कोर 85 प्रतिशत रहा। लेकिन फिर भी, वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक में भारत को 42.8 स्कोर के साथ 195 मुल्कों में 66वें स्थान पर रखा गया है (वैश्विक औसत 28.4 है)। इस वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक के अनुसार भविष्य की महामारी और महामारी के खतरों के परिप्रेक्ष्य में सभी देशों की तैयारी चिंताजनक रूप से नाकाफी है। जबकि संभावनाओं में कोविड-19 से कहीं अधिक विनाशकारी खतरे शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नियामक नियमों के अनुरूप बनने में भारत की क्षमता में तत्काल और व्यापक वृद्धि की आवश्यकता है। कोविड-19 महामारी से सीख लेते हुए, एक व्यापक राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून की आवश्यकता है। भविष्य की महामारियों पर नीति आयोग के एक हालिया दस्तावेज ने आपातकालीन स्वास्थ्य प्रबंधन कानून लागू करने की सिफारिश की है ताकि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, रोकथाम, नियंत्रण और प्रतिक्रिया बनाने के लिए त्वरित उपाय पहले से तैयार रहें।

वैश्विक स्तर पर, पिछले दो वर्षों से विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देशों के बीच महामारी संधि पर बातचीत चल रही है, लेकिन आम सहमति न बन पाने की वजह से यह लटकी हुई है। विचार यह है कि कोविड-19 के दौरान की विफलताओं को स्वीकार करते हुए, अगली महामारी से पहले अथवा उसके दौरान सहयोग बढ़ाया जाए। भारत में उच्चतम तकनीकी स्तर पर वन हेल्थ मिशन की शुरूआत करना अच्छी बात है। इस महत्वाकांक्षी मिशन के कार्यान्वयन में सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने और आम राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने को उत्प्रेरित करने की क्षमता है। भारत ने अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। प्रमुख चुनौतियों में माइक्रो बायोलॉजिकल प्रयोगशालाओं को मजबूत करना शामिल है जो प्रारंभिक शिनाख्त और निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वेब-आधारित एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के माध्यम से नजर रखने में प्रगति हुई है, जो हर हफ्ते औसतन 40-50 प्रकोपों का पता लगाता है। यह संक्रामक रोगों से संभावित राष्ट्रीय बोझ का सूचकांक है। महामारी से निपटने में विशेष रूप से भारत भर में प्रशिक्षित कार्यबल और फील्ड स्तर पर गुपचुप जानकारी जुटाने वाला एक मजबूत कार्यक्रम बनाने और विस्तार करने की फौरी जरूरत है। ताकि स्थानीय स्तर पर एक प्रभावी जांच एवं रोकथाम क्रियान्वयन तुरंत चलाया जा सके। राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम को समुदाय और अस्पतालों के डेटा तक सभी संबंधित क्षेत्रों की पहुंच निर्बाध और वास्तविक समय में उपलब्ध करवाने के लिए साझा एकीकृत डेटा पोर्टल सुविधा बनानी होगी ताकि उचित हस्तक्षेप किया जा सके। ऐसी असामान्य घटनाओं का जल्द पता लगाने के लिए मानव-पशु-वन्यजीव इंटरफेस पर आधारित एक कुशल एकीकृत निगरानी तंत्र महत्वपूर्ण है। गैर-स्वास्थ्य विशेषज्ञता संस्थानों में उपलब्ध ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए देश विशेष पर आधारित पूर्वानुमान और भविष्यवाणी मॉडल बनाने की आवश्यकता है।

महामारी से निपटने में वैक्सीन सबसे किफायती स्वास्थ्य उपाय होता है। यह अविश्वसनीय था कि कैसे भारतीय वैज्ञानिक, उद्योग और नियामक इस अवसर पर आगे आए और कम समय में प्रभावकारी कोविड-19 टीका विकसित और निर्मित किया। 100 करोड़ से अधिक लोगों को 220 करोड़ टीका लगाना वास्तव में सराहनीय है। भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए नए टीके, निदान और दवाओं के लिए, औषधीय एवं नवीन औषधि विकास पर केंद्रित एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया जाना चाहिए, जिसका लक्ष्य फार्मास्युटिकल उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और नियामक प्राधिकरणों की नेटवर्किंग के माध्यम से समुदायों में उपयोग के लिए इनका विकास, उत्पादन और इन्हें उपयुक्त बनाना हो। कोई भी सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक कि इस उद्देश्य के लिए संस्थान नहीं बनाए जाते। व्यवस्थित जोखिम संचार और सामुदायिक जुड़ाव रणनीति, जिसमें स्थानीय प्रासंगिक कारक शामिल हों, के माध्यम से चलाए अभियान में जनता सक्रिय रूप से सहयोग नहीं करती। भारत में, जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन हैं, जिसमें से 60 करोड़ स्मार्टफोन हैं और 82.5 करोड़ लोग इंटरनेट का उपयोग करते है, 42.5 करोड़ लोग व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं, 897 टेलीविजन चैनल हैं, जिनमें से 350 समाचार चैनल हैं, इसके अलावा विभिन्न भाषाओं में लगभग 80,000 समाचार पत्र हैं, इनके जरिए भारत में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया तक व्यापक पहुंच है। इन संसाधनों का उपयोग देश की लगभग पूरी आबादी तक विश्वसनीय और व्यवहार्य स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। नई बीमारियों का शीघ्र पता लगाने और उनके प्रति व्यापक त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बनी राष्ट्रीय क्षमता भविष्य की महामारियों के प्रभाव को कम करने की कुंजी है। इसके लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और उचित निरंतर वित्त पोषण की आवश्यकता है ताकि स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक अराजकता को दूर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम 2005 ढांचे को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके।

मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह में 172 जोड़ों ने लिए फेरे, 20 का हुआ निकाह

-तेजवापुर ब्लाक मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान में आयोजित हुआ सामूहिक विवाह कार्यक्रम

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

महसी (बहराइच)। तेजवापुर ब्लाक मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। विधायक सुरेश्वर सिंह ने फीता काटकर कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम की भव्यता की सराहना चारों तरफ लोग करते दिखे। विवाह के लिए आये जोड़ों सहित सभी अतिथियों के लिए बहुत अच्छा खान पान का प्रबंध देखने को मिला। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सात ब्लाकों के 192 जोडे एक-दूसरे के जीवन साथी बने। मुख्य अतिथि विधायक सुरेश्वर सिंह ने कन्या दान की रस्म निभाई। विवाह के

दौरान मंगल गीतों से ब्लाक परिसर गूंज उठा। नव युगलों पर फूलों की वर्षा की गई। मिली जानकारी अनुसार 207 जोड़ों ने आवेदन किया। 192 जोड़े विवाह के लिए मौके पर पहुंचे। हिंदू रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 172 नव युगल जोड़ों ने फेरे लिए। 20 जोड़ों को निकाह पढ़ाया गया। वैवाहिक समारोह में महसी से 81,कैसरगंज से 11,शिवपुर से 37, चित्तौरा से 7,जरवल से 2, तेजवापुर से 41, रिसिया से 4, मिहींपुरवा से 2,नगरपालिका से 7 व फखरपुर से 19 जोड़े शामिल हुए। विधायक सुरेश्वर सिंह ने नव युगल जोड़ों को उपहार व गृहस्थी के समान के साथ आशीर्वाद देकर विदा किया।

विधायक ने कहा कि गरीब कन्याओं का विवाह मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकता में है। हर आखिरी व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे यहीं हमारी सरकार का उद्देश्य है। इस मौके भाजपा जिला प्रतिनिधि अखंड प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख महसी कृष्णा देवी सिंह,ब्लाक प्रमुख तेजवापुर प्रतिनिधि रमाकर पांडेय, एसडीएम महसी अखिलेश कुमार सिंह,बीडीओ महसी हेमंत यादव, बीडीओ तेजवापुर अनुष्का श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में वर-वधू पक्ष के लोग मौजूद रहे।

गिरिराज जी की परिक्रमा देने पहुंचे संत प्रेमानंद, आधे रास्ते में बने ऐसे हालात...लौटना पड़ा वृंदावन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा के गोवर्धन में संत प्रेमानंद महाराज मंगलवार को सत्यनारायण की बगीची पहुंचे। यहां गिरिराज प्रभु की परिक्रमा आरंभ की। जतीपुरा-गोवर्धन मार्ग स्थित सत्यनारायण की बगीची से परिक्रमा आरंभ कर राधाकुंड मार्ग स्थित लुटेरिया हनुमान मंदिर पर समाप्त कर वृंदावन निकल गए। इस दौरान परिक्रमा मार्ग राधे-राधे और संत प्रेमानंद बाबा की जय की गूंज से गुंजायमान हो उठा। परिक्रमा के दौरान संत प्रेमानंद के पीछे-पीछे सैकड़ों की संख्या में चल रहे भक्त भी परिक्रमा लगा रहे थे। बाहर से गिरिराज प्रभु की परिक्रमा कर रहे भक्त भी प्रेमानंद महाराज को परिक्रमा लगाते देख आश्चर्य चकित हो गए। वहीं लेटकर दंडवत प्रणाम करने लगे। श्रद्धालु उनको देख भाव-विभोर नजर आए। इस दौरान कई परिक्रमार्थी भक्तों के नेत्र सजल हो गए। उन्होंने करीब पांच किलोमीटर पैदल चलकर परिक्रमा लगाई। संत प्रेमानंद ने परिक्रमा समाप्त करते हुए कहा कि लोगों की भीड़ की अधिकता ज्यादा हो गई है। इसलिए अगले दिन आगे से परिक्रमा आरंभ करेंगे। परिक्रमा मार्ग में उनके साथ काफी पुलिस बल मौजूद रहा।

मथुरा में महिला पीसीएस एलाइड अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। मंगलवार सुबह जनपद की जिला पंचायत राज अधिकारी पीसीएस एलाइड किरण चौधरी को लखनऊ से आई विजिलेंस टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान टीम ने उनके इंद्रप्रस्थ कालोनी स्थित घर को पूरी तरह घेर लिया। महानिदेशक विजिलेंस राजीव कृष्णा के मुताबिक एसपी विजिलेंस बबिता सिंह के साथ गयी टीम ने किरण चौधरी को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ा है।

टीम 4 कारों के जरिए किरण चौधरी के घर पहुंची। कार में करीब 4-5 महिला अधिकारियो के साथ पुरुष अधिकारी भी थे। छापेमारी के दौरान किरण चौधरी का मोबाइल फोन जमा करा लिया गया। बंद कमरे में महिला अधिकारियों ने उन से काफी पूछताछ की। विजिलेंस की टीम अपने साथ कार्यालय के बड़े बाबू महेंद्र सिंह को भी पूछताछ के लिए ले गई है। सूत्रों का कहना है कि उक्त कार्रवाई कराने में भाजपा के ही एक बड़े नेता ने चक्रव्यूह रचा था। डीपीआरओ किरण चौधरी के हाईवे थाना क्षेत्र अंतर्गत इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित आवास पर टीम पहुंची थी। यहां उन्हें कथित शिकायतकर्ता द्वारा 70 हजार रुपये की रिश्वत दी गई। जैसे ही महिला अधिकारी ने ये रकम ली तभी टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दूसरी टीम राजीव भवन स्थित उनके कार्यालय पहुंची। यहां शिकायतकर्ता भी साथ में थे। टीम ने यहां से कुछ फाइलें जब्त कीं जिन्हें अपने कब्जे में ले लिया। बताया गया है कि पीसीएस अधिकारी के खिलाफ एक ग्राम प्रधान ने विजिलेंस लखनऊ में शिकायत की थी जिसके बाद लखनऊ से गयी कई टीमों ने एक साथ ये कार्रवाई की। टीम महिला अधिकारी को अपने साथ लखनऊ ले गई है। चर्चा है कि झुडावाई के किसी पप्पू प्रधान की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है।

कई माह से खराब पड़ा हैंडपंप मरम्मत कराये जाने की मांग

हैंड पंप के चारों तरफ लगा गंदगी का अंबार

महसी बहराइच। विकास खंड के ग्राम पंचायत सधुवापुर के मजरा मुडहेरा में लगे हैंडपंप काफी समय से खराब हैं। इससे लोगों को पेयजल के लिए कम बोर के निजी हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ रहा है। साथ ही हैंड पंप के पास काफी गन्दगी भी फैली हुई है जिससे निकलने वाली दुर्गंध से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सधुवापुर के मुडहेरा गांव में राजितराम गौतम के घर के पास लगा हैंड पंप कई महीनो से खराब पड़ा हुआ है पर जिम्मेदारों की उपेक्षा के चलते उनकी मरम्मत नहीं की जा रही है इस हैंड पंप से आस पड़ोस के एक दर्जन से अधिक घरों को स्वच्छ पानी मिलता था पर इसके खराब होने के बाद लोगों का स्वच्छ पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने डीएम मोनिका रानी से हस्तक्षेप कर हैंडपंप मरम्मत कराने की मांग की है।

शाहजी मंदिर का खुला प्राचीन वसंती कमरा श्रीजी की झलक पाने को मची होड़

मथुरा के वृंदावन में वसंत पंचमी पर सोमवार को शाहजी मंदिर का वसंती कमरा खोला गया। कमरे में राजशाही झाड़-फानूसों की रंगबिरंगी रोशनी के बीच श्रीजी ने भक्तों को दर्शन दिए। वर्ष में दो बार खुलने वाले वसंती कमरे में आराध्य के विशेष दर्शन के लिए भोर से ही भक्तों का तांता लग गया। श्रीजी की एक झलक पाने के लिए उनमें होड़ मच गई।

टेढ़े-मेढ़े खंभों के मंदिर के नाम से प्रसिद्ध शाहजी मंदिर में श्रीजी दर्शन के लिए सोमवार सुबह ही सैकड़ों की संख्या में भक्तजन पहुंचने लगे। सुबह 10 बजे मंदिर के वसंती कमरा के पट खुलते ही श्रद्धालु श्रीजी के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के व्यवस्थापक शाह प्रशांत कुमार ने भगवान का वेद मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक कर भव्य श्रृंगार किया। प्राचीन एवं ऐतिहासिक कमरे में बड़े-बड़े शोभायमान प्राचीन झाड़-फानूसों की रोशनी के बीच ठाकुरजी के प्राचीन कमरे की छटा बिखरी। स्थानीय भक्तों के साथ सुदूर क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के दर्शन का आनंद लिया। दोपहर में विश्राम के बाद शाम को पांच बजे से वसंती कमरा भक्तों के दर्शन के लिए खोला गया।

देर शाम शयन आरती तक श्रीजी के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। वसंत पंचमी के अवसर पर मंदिर के शिखर से लेकर द्वार तक रंगबिरंगी विद्युत झालरों और पुष्पों से सजाया गया। जो कि भक्तों का आकर्षक का केंद्र रहा। वसंती कमरे के द्वार पर ढोल नगाड़े और नफीरी वादन किया गया। इस पर सुदूर क्षेत्रों से आए भक्तजन जमकर झूमे।

शाहजी मंदिर के व्यवस्थापक शाह प्रशांत कुमार ने बताया कि ठाकुरजी वर्ष में दो बार वसंती कमरे में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते हैं। मंगलवार शाम छह बजे से 9 बजे तक एक बार फिर वसंती कमरा में श्रीजी के दर्शन भक्तों को हुए।

ब्लॉक अध्यक्ष व युवा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में दर्जनों ने ली भाकियू की सदस्यता

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। भाकियू टिकैत के युवा विंग के जिलाध्यक्ष रंजीत यादव और शाहबाद के ब्लॉक अध्यक्ष खुशीराम यादव ने शाहबाद के जयतोली रोड पर नगर के दर्जनों लोगों को भाकियू टिकैत की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर नगर के मोहल्ला जिलेदारन निवासी दिलशाद खां के नेतृत्व में दर्जनों लोग भाकियू टिकैत में शामिल हुए और किसानों से जुड़े मुद्दों पर हरसंभव सहयोग का संकल्प लिया। इस मौके पर काशिफ खा, एजाज खा, जाकिर, आले नबी, इकबाल, गुड्डे खा, अतीक खा, बबलू खा, भूरा, शानू, शाहिद खा, इरशाद खा, जुनैद खा आदि शामिल हुए।

एम वी यू सेवा पशुपालकों के लिए वरदान

महसी बहराइच। बीमार पशुओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चलाई जा रही 1962 एम वी यू सेवा पशुपालकों के लिए वरदान साबित हो रही है। ब्लॉक महसी के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सूचना पर मोबाइल यूनिट मौके पर पहुंच रही है। महसी क्षेत्र के ग्राम नेपालपुरवा निवासी नन्द कुमार ने बताया कि उनकी गाय की तबीयत अचानक बिगड़ गई उन्होंने इसकी सूचना 1962 नम्बर पर फोन करके दी। सूचना के 15 मिनट में ही मोबाइल वेटनरी यूनिट की टीम उनके घर पर पहुंच गई। मोबाइल वेटनरी यूनिट की टीम पर तैनात डा. राहुल दीक्षित, पारा वेटनरी स्टाफ नीरज दीक्षित, एम वी यू चालक विक्रम कुमार मौर्य ने गाय का उपचार किया, जिससे गाय को जीवनदान मिला। इसी प्रकार ग्राम सिकन्दरपुर निवासी अभिषेक कुमार के गाय का पैर टूट गया था, उसका भी उपचार मोबाइल वेटनरी यूनिट की टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर किया गया। ग्राम लखनपुर निवासी संजय की गाय जोकि तार से कट गई थी, का इलाज भी मोबाइल वेटनरी यूनिट की टीम द्वारा किया गया। इसी प्रकार क्षेत्र में कई लोगों से पड़ताल करने पर पता चला कि महसी ब्लॉक में कार्यरत स्टाफ बहुत ही जिम्मेदारी व पूरे निष्ठा से अपना काम करके गरीब किसानो व पशुपालकों को लाभ पहुंचा रहे हैं। मोबाइल वेटनरी यूनिट के पशुचिकित्सक डा. राहुल दीक्षित ने बताया कि पशुपालक सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक अपने बीमार पशु की सूचना टोल फ्री नंबर 1962 पर देकर पशु चिकित्सा का लाभ अपने घर पर ले सकते हैं।

संस्था के जिला प्रभारी श्री सुधीर मणि त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा जिले में 8 मोबाइल वेटनरी यूनिट संचालित की जा रही है। सरकार की मंशा है कि ग्रामीण इलाकों में पशुपालकों को अपना पशु चिकित्सालय तक लाने में कठिनाई होती है तो वह इमरजेंसी में 1962 पर फोन करके अपने पशु का उपचार अपने घर पर ही कराकर पशु की जान बचा सकते है।

भाविप समर्पित मनाएगा रजत जयंती समारोह

कार्यक्रम में काव्य गोष्ठी और राष्ट्र सेवा रत्न सम्मान का होगा आयोजन

एनपीटी, ब्यूरो

आगरा। भारत विकास परिषद् समर्पित शाखा के गौरव पूर्ण 25 वर्ष होने पर रजत जयंती समारोह मानाने जा रहा है। मंगलवार को परिषद् के पदाधिकारियों ने अवधपुरी स्थित होटल मंगलम में आमंत्रण पत्र का विमोचन किया। अध्यक्ष ई० राजीव गौतम और सचिव डॉ. दिग्विजय पचौरी ने बताया कि 8 फरबरी को रजत जयंती समारोह के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन होगा। जिसमे अंतराष्ट्रीय कवि पवन आगरी, लपेटे में नेताजी फेम अवनीश त्रिपाठी और वाह वाह फेम शिखा सिंह काव्य पाठ करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में बाल विकास, पुष्टाहार एवं महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य और मुख्या वक्ता के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के रूप में शोभायमान होंगे। कार्यक्रम संयोजक अमित अग्रवाल और सह संयोजक राम अग्रवाल ने बताया कि समर्पित शाखा कि चयन समिति ने सेना मैडल से सम्मानित शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता के पिता एड. बंसन्त गुप्ता, वरिष्ठ उघमी पूरन डावर, समाजसेवी बांकेलाल माहेश्वरी, व्यापारी नेम कुमार जैन और कवि पवन आगरी को राष्ट्र सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। साथ ही शाखा में सहयोगी के रूप में सहयोगार्थी विद्यालयों के प्रबंधक व प्रधानाचार्य को और पूर्व पदाधिकारियों को शाखा रत्न से भी सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर संस्थापक न्यायदत्त शर्मा, आलोक आर्य, कोषाध्यक्ष डॉ. संजय गौतम, महिला संयोजिका नेहा अग्रवाल, जितेंद्र मित्तल, संदीप उपाध्याय, अनिल उपाध्याय, शीतल अग्रवाल, मनीष जैन, दिव्या अग्रवाल, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

मथुरा में बिजली विभाग ने दो सैकड़ा स्थानों पर मारे छापे, एक करोड़ के बकाए पर कटवाए 600 कनेक्शन

मथुरा। बिजली विभाग ने विघुत चोरी रोकने के लिए विशेष महाअभियान चलाया। करीब 100 स्थानों पर बिजली चोरी के मामले पकड़े गए। 178 मीटर बाहर किए गए। अभियान से गड़बड़ी करने वालों में खलबली मची रही। लाखों रुपये राजस्व प्राप्त हुआ है। सोमवार को देहात सर्किल के एसई विजय मोहन खेड़ा ने विशेष चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश अधीनस्थों को दिए। एसडीओ लक्ष्मीनगर सचिन द्विवेदी के निर्देशन में टीम ने ग्रामीण क्षेत्र में 26 लाख के बकाए पर करीब 200 कनेक्शन कटवाए। सात स्थानों पर चोरी के मामले पकड़े। वाद-एक्सईएन राया राजनाथ यादव ने भी टीमों का कार्य चेक किया। देहात सर्किल में 52 स्थानों पर चोरी के मामले पकड़े। शहरी क्षेत्र में भी 17 स्थानों पर चोरी पकड़ी। 48 लाख से अधिक का राजस्व वसूला। एसई शहरी सुरेश चन्द्र रावत ने भी शाम को अभियान की समीक्षा की। मथुरा जोन के चीफ इंजीनियर एस के जैन ने राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक के दौरान विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में शनिवार को शहर एवं देहात क्षेत्रों में इंजीनियरों ने टीमों के साथ चेकिंग की। दिन भर चेकिंग की जाती रही। अभियान में करीब 100 स्थानों पर चोरी के मामले पकड़े। इनका लोड करीब 150 किलोवाट था। 55 उपभोक्ताओं के टेरिफ चेंज किए गए। 132 का लोड बढ़ाया गया। 178 उपभोक्ताओं के अंदर लगे मीटरों को बाहर कराया गया। 674 उपभोक्ताओं ने 51 लाख से अधिक की धनराशि जमा की। एसई शहरी सुरेश चन्द्र रावत,एसई देहात विजय मोहन खेड़ा ने समीक्षा कर अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिए हैं।

गोवध अधिनियम समेत सात मामलों में आठ दोषी, सुनाई सजा

कैराना। गोवध अधिनियम, चोरी व मारपीट सहित सात अलग–अलग मामलों में कोर्ट ने आठ आरोपियों को दोषी करार दिया। दोषियों को सजा सुनाई गई है। वर्ष 2019 में झिंझाना थाने पर गांव पीरखेड़ा निवासी राजकुमार के विरूद्ध लॉकडाउन उल्लंघन के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में मंगलवार को दोषी को न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। दूसरे मामले में वर्ष 2014 में कैराना कोतवाली पर अफसर निवासी गांव भूरा के विरूद्ध चोरी का मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया था।

गोवर्धन की परिक्रमा मार्ग पर बेतरतीब खड़े ई-रिक्शों से परेशानी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। गोवर्धन में गिरिराज परिक्रमा मार्ग पर राधाकुंड के रामलीला मैदान तिराहे पर बेतरतीब ढंग से खड़े ई-रिक्शे परेशानी का सबब बन रहे हैं। इससे अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। पैदल परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को भी खासी दिक्कत होती है। इस समस्या को लेकर नगर पंचायत की ओर से अब तक इस दिशा में ठोस प्रयास भी शुरू नहीं किए गए। कस्बा निवासी लक्ष्मीकांत मिश्रा, गणेश मिश्रा, लाल बाबू मिश्रा, बच्चू , हरिओम, अखिलेश, मुकेश ने बताया रामलीला मैदान तिराहे के चारों तरफ चालक ई-रिक्शे बेतरतीब ढंग से खड़े कर देते हैं। इस कारण अक्सर जाम की स्थिति पैदा होती है। स्थानीय लोगों व परिक्रमार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हाल यह है कि परिक्रमा मार्ग नो व्हीकल जोन घोषित है। इसके बाद भी बाहरी वाहन दौड़ रहे हैं। ई-रिक्शों की संख्या अत्यधिक है। अगर तिराहे पर ट्रैफिक पुलिस लगाई जाए तो कुछ हद तक जाम से मुक्ति मिल सकती है। नगर पंचायत अध्यक्ष रामफल ने बताया कि मामला संज्ञान में है।

पाली खेल एवं मेला महोत्सव 2025 में क्रिकेट टूनार्मेंट में ग्रुप बी प्रथम मैच रोमांचक मुकाबले में लखनऊ ने नोएडा को दो विकेट से हराया

मैन ऑफ द मैच रहे सोनू राजा चार विकेट और 32 रन बनाए

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर/पाली। पाली खेल एवं मेला महोत्सव 2025 के आठवें दिन क्रिकेट टूनार्मेंट के ग्रुप बी का प्रथम मैच नोएडा और लखनऊ के बीच खेला गया। आठवें दिन के कार्यक्रम अध्यक्ष घनश्याम चौरसिया पार्षद, अतिथि नन्द किशोर सोनी, सुदामा साहू, विन्द्रावन यादव ने खिलाड़ियों से परिचय कर टाक्स कराया। ऑक्स नोएडा टीम ने जीता और पहले बल्लेबाजी चुन्नी पहले बल्लेबाजी करने उतरी नोएडा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन बनाए नोएडा की ओर से सर्वाधिक सिद्धार्थ चौधरी ने 50 रन, प्रियांशु ने नवाब 18 गेंद में 48 रनों की पारी खेली और कप्तान मलिक ने 39 रनों का योगदान दिया। लखनऊ की ओर से सोनू राजा ने चार ओवर में 11 रन देकर चार विकेट लिए और एक ओवर मिडिन फेंका। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम को 176 रनों की दरकार थी। लखनऊ की टीम ने 19 ओवर 5 गेंद में 176 रनों का टारगेट हासिल कर लिया। लखनऊ की ओर से सर्वाधिक रमन कप्तान ने 38 गेंद में 54 रनों की पारी खेली, सोनू राजा ने 32 रनों का योगदान दिया। अभिनव तोमर ने सात गेंद में 25 रनों की नाबाद पारी खेली और संदीप कुमार 13 रनों का योगदान दिया। नोएडा की ओर से तरूण ने तीन विकेट लिए, मोहन दो,अनुज और विवेक ने एक-एक विकेट लिए। रोमांचक मुकाबले देखने के लिए पाली खेल ग्राउंड दर्शकों से पूरी तरह भरा रहा। खेल प्रेमी दर्शक एक एक गेंद और रनों पर नजर गड़ाए हुए बैठे रहे। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ते नजर आए। ग्रुप बी के प्रथम मुकाबले में लखनऊ ने नोएडा को रोमांचक मुकाबले में दूर विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पाली खेल एवं मेला महोत्सव 2025 के आठवें दिन क्रिकेट टूनार्मेंट में आए अतिथियों द्वारा प्लेयर ऑफ द अवार्ड सोनू राजा रहे। जिन्होंने 32 रनों के साथ गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 11 रन देकर चार विकेट लिए और एक ओवर मेडल फेंका।

मैं कमेंट्री पुष्पेन्द्र ठाकुर और पुष्पेंद्र सिंह राजा ने की। मैच एंपायर धर्मेंद्र रजक और सौरभ नायक ने की। मैच में स्कोरिंग अरुण राजा द्वारा की गई। आठवें दिन के कार्यक्रम अध्यक्ष घनश्याम चौरसिया पार्षद ने कार्यक्रम ने पाली खेल महोत्सव 2025 में क्रिकेट टूनार्मेंट देखने आए दर्शकों का आभार व्यक्त किया। पाली खेल महोत्सव 2025 में उमाशंकर त्यागी, रविन्द्र राजा, राजू परिहार, सुरेश सेन, राहुल यादव, प्रशांत दुबे, भज्जी यादव, गोलू चौरसिया, राघवेन्द्र विश्वकर्मा, आशीष चौरसिया, जगदीश राय,देवेंद्र प्रजापति रजनीकांत संजय कुशवाहा, अजय यादव, नमन, राहुल, पुष्पेन्द्र चौरसिया, मनोज चौरसिया, हरीओम चौरसिया, गोपाल यादव रामनरेश यादव, गौरव मालवीय, चरन सिंह, रब्बू, महेन्द्र कुशवाहा, राजकुमार रजक, शंकर, मनोज कुशवाहा आदि सहयोगी कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए हैं। शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मेला महोत्सव एवं खेल महोत्सव में जगह जगह उपस्थित रहे। पाली खेल एवं मेला महोत्सव 2025 का लाइव प्रसारण यूट्यूब चैनल बुंदेलखंड लाइव टीवी पर किया जा रहा है।

साहित्यक संस्था उत्तरप्रदेश साहित्य सभा इकाई ललितपुर के तत्वावधान में मां सरस्वती पूजन एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन आजादपुरा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

साहित्यक संस्था उत्तरप्रदेश साहित्य सभा इकाई ललितपुर के तत्वावधान में *मां सरस्वती पूजन एवं काव्य गोष्ठी* का आयोजन आजादपुरा ललितपुर स्थित श्री सत्यनारायण शुक्ला के आवास पर किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री लक्ष्मी नारायण पटैरिया ने एवं कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन श्री बृजमोहन संज्ञा ने किया।

सर्वप्रथम पं विनोद मिश्रा(पत्रकार)ने वैदिक रीति से मां सरस्वती का पूजन संपन्न कराया।

फिर स्थानीय कवियों ने कार्यक्रम को देर रात तक जीवंत बनाये रखा।

अखिलेश शांडिल्य द्वारा की गयी वीणा पाणि की वन्दना के उपरांत क्रमशः आकाश जैन, संजय सदर, सुमित साहू, के.के.पाठक, मनोज मोहक, राजेश लिटोरिया, बालमुकुंद सोनी, शीलचन्द्र जैन, वीरेंद्र विद्रोही, रमेश पाठक रविन्द्र, संस्था के संयोजक महेश नामदेव, सुदेश सोनी, जहीर ललितपुरी, मनमोहन संज्ञा द्वारा काव्यपाठ किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में अध्यक्षता कर रहे श्री लक्ष्मी नारायण पटैरिया ने काव्यपाठ के साथ साथ बसन्तपंचमी की शुभकामनाएं दीं,

बुंदेलखण्ड विकास सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने बसन्तपंचमी के महत्व पर चर्चा की।

कार्यक्रम में श्री सुधांशु शेखर हुण्डैत, नवल किशोर सोनी, राकेश अगरिया, प्रबल सक्सेना,

लक्ष्मीनारायण आचार्य, श्री अरुण गोस्वामी, श्रीकृष्ण पटेरिया, अमित चुरारिया, विपिन निरंजन, सत्यपाल यादव, राजीव पटेरिया, अरविंद राजपूत ,भगतसिंह राठौर, दीपक पटवारी ,कन्हैया नामदेव, विनय रिछारिया, आशीष मिश्रा, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम संयोजक अखिलेश शांडिल्य एवं सत्यनारायन शुक्ला ने सभी का आभार किया तथा प्रसाद वितरण संपन्न हुआ।

मेले के लगातार चैथे दिन डीएम ने किया रामघाट का निरीक्षण

चित्रकूट ब्यूरोः जनपद में चल रहे मेले में धर्मनगरी आए श्रद्धालुओं की सेवा मंगलवार को भी जारी रही। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा ने रामघाट में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उन्हें प्रसाद का वितरण किया।

प्रयागराज महाकुंभ 2025 व वसंत पंचमी मेले के दृष्टिगत मंगलवार को भी जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रामघाट पर आकस्मिक निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी कर्वी को रामघाट सहित महत्वपूर्ण मेला क्षेत्र पर सफाई व्यवस्था बनाए रखने एवं सीसीटीवी कैमरों को संचालित रखने के निर्देश दिए। कहा कि रामघाट पर पॉलिथीन का प्रयोग न होने दें। साथ ही दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा हटवाने के निर्देश दिए। कहा कि मेले में आए किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। नाविको से कहा कि श्रद्धालुओं के लिए जो किराया निर्धारित है, उतना ही किराया लें। इस दौरान प्रशासन द्वारा पांच दिवसीय प्रसाद वितरण के चैथे दिन जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अधिशासी अधिकारी कर्वी लालजीत यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मेले की भीड़ में बिछड़ी बालिका को किया परिजनों के सुपुर्द

चित्रकूटः पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में गुमशुदों व बिछड़ों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में मेला क्षेत्र में शनि शिला पर ड्यूटि में लगी पुलिस टीम ने कामतानाथ मंदिर में दर्शन करने के दौरान अपने परिजनों से बिछड़ी बालिका को महज एक घंटे में उसके परिजनों से मिलाया। मंगलवार को नेपाल के धनुष जनपद के जनकपुर थाने के ग्राम जनकपुर निवासी रिंकी ठाकुर पत्नी धीरेन्द्र कुमार ने सूचना दी कि उसकी पुत्री ऋचा ठाकुर कामतानाथ मंदिर में दर्शन करने के दौरान उन लोगो से बिछड़ गयी। इस पर शनि शिला ड्यूटी में तैनात निरीक्षक शम्भू दयाल मौर्य ने महिला आरक्षी अंजली देवी के महिला को साथ गाड़ी पर बैठाकर तलाश करने पर बालिका खोही तिराहा रास्ते पर मिल गई। जिसे उसकी माँ रिंकी ठाकुर ने पहचान लिया। इस प्रकार बालिका को सकुशल उसकी माता रिंकी ठाकुर को सुपुर्द किया गया।

बसंत पंचमी पर माँ सरस्वती को किया नमन

बच्चों ने किये नृत्यमय सांस्कृतिक कार्यक्रम

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। विकासखंड मड़ावरा अंतर्गत संकुल केंद्र पारौल के उच्च प्राथमिक विद्यालय में बसंत पंचमी पर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती को नमन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बच्चों ने माँ सरस्वती एवं भारतमाता के चित्र के समक्ष ज्ञानदीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस मौके पर सहायक अध्यापक विशाल जैन ने कहा कि शिक्षा की अलख जगाने में ज्ञान की देवी माँ शारदे का आशीष सर्वोपरि है, सभी ने जीवन में सद्बुद्धि मिले और सद्मार्ग पर चलते रहें ऐसी भावना के साथ वागीश्वरी देवी के चरणों में नमन किया। बच्चों ने वंदना एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्यमय प्रस्तुति दी। अहिंसा सेवा संगठन ने छात्रों को स्टेशनरी का वितरण किया। सहायक अध्यापिका संध्या ने कहा सभी बच्चे नियमित समय से विद्यालय आयें, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को निरंतर पुरस्कृत किया जायेगा। जिसमें संतोष कुशवाहा, संध्या, नरेंद्र प्रताप सिंह, हाकम सिंह, अनीता तिवारी, विनीता पाठक, मल्थूबाई, रतिदेवी, उमा, उर्मिला आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन विशाल जैन पवा ने किया। आभार व्यक्त इंचार्ज प्रधानाध्यापक संतोष कुशवाहा ने किया। वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय चांदौरा में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका स्वाति श्रीवास्तव एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय चांदौरा में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका प्रभा सिंह के नेतृत्व में बसंत पंचमी पर कार्यक्रम आयोजित किये गये।

महाकुंभ भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत का आंकडा दे भाजपा सरकार- महेश

चित्रकूट ब्यूरोः समाजवादी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पीडीए संवाद कार्यक्रम के तहत मंगलवार को पीडीए यात्रा लेकर जनपद आए सपा के प्रदेश सचिव महेश कश्यप ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला।

मंगलवार को हुई पत्रकार वार्ता में प्रदेश सचिव व बुंदेलखंड के पीडीए प्रभारी महेश कश्यप ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए की राजनीति करती है और उनके हकों की लड़ाई लड़ रही है। यही पीडीए 2027 में सपा को जीत दिलाएगी। इसलिए सपा कार्यकर्ता पीडीए के लोगो के बीच जाकर उन्हें जागरूक कर रहे है। कहा कि मिल्कीपुर का उपचुनाव भी वहां के डीएम-एसपी लड़ रहे है, सपा के वोटरों की मत पर्चियां नही दी जा रही है, किंतु सपा वहां संघर्ष करेगी। प्रदेश सचिव ने महाकुंभ भगदड़ में हुई मौत को लेकर कहा कि भाजपा सरकार भगदड़ में जान गवाने वाले श्रद्धालुओं के आकडे नही दे पा रही है। पत्रकारों को कवरेज से रोका जा रहा है। कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एक-एक श्रद्धालु को कुंभ स्नान कराकर सुरक्षित घर तक भेज सकते है।

इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल, उपाध्यक्ष गुलाब खां, उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव, वरिष्ठ सपा नेता सूरज पटेल, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष सीताराम कश्यप आदि मौजूद रहे।

दृढ़विश्वासी व्यक्ति होता है क्षमशील व कर्तव्यपरायण- बृजेश

कथा का तीसरा दिन

चित्रकूट ब्यूरोः चरित्र, विवेक और दृढ़विश्वास के साथ जीवन में काम करने वाला व्यक्ति क्षमाशील एवं कर्तव्यपरायण होता है। इसके चलते ऐसा मनुष्य वास्तवित सफलता का अधिकारी होने के साथ दूसरों के लिए आदर्श बन जाता है।

यह विचार जिला मुख्यालय स्थित कमल निवास में चल रहे श्रीमद्भागवत पुराण के तीसरे दिन कथा वाचक डॉ बृजेश कुमार पयासी ने व्यक्त किए। उन्होंने भगवान कपिल का अपनी माता को उपदेश, सांख्य योग का वर्णन करने के बाद कहा कि भावगत कथा किसी राजा, देव या असुर की कथा नहीं है, यह तो जीवात्मा और परमात्मा के सम्बन्धों का कथानक है। सती द्वारा भगवान शिव को अपने पिता दक्ष के यज्ञ में भाग न ले पाने पर योगाग्नि में देह त्याग करने, यज्ञ भंग करने, ब्रम्हा द्वारा सृष्टि के निर्माण, वराह भगवान एवं हिरणाक्ष युद्ध एवं ध्रुव चरित्र का विस्तृत वर्णन कथा में करने के बाद कथा वाचक ने कहा कि भगवान के भजन व दर्शन में बाधा उत्पन्न करने वाले को भगवान स्वीकार नहीं करते है। प्रभु श्रीकृष्ण सहज, करुणामय और उदार हैं। जीव के ऊपर अहैतुकी कृपा करते है। वर्तमान समय में समाज का सामान्य मनुष्य प्रायः स्वयं को ब्रम्ह मान बैठता है, माया ने अधिकांश लोगों को मदांत बना दिया है। इसका परिणाम यह है कि जीव काम, क्रोध के विकारों से ग्रस्त हो जाता है। अयोग्य व्यक्ति का चंचल चित्त भजन में सबसे बड़ी बाधा है।

इस मौके पर कथा श्रोता सोमा शुक्ला, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, मनीष शुक्ला, देवेन्द्र त्रिपाठी, अंश पंडित, राजेश पंसारी, शंकर दयाल जायसवाल, अर्चना, विशाल जायसवाल, अमित मिश्रा, सुरेश जायसवाल आदि मौजूद रह।

वसंत पंचमी पर माता सरस्वती का पूजन कर कराया 95 नौनिहालों का पाटी पूजन

चित्रकूट ब्यूरोः वंसत पंचमी के अवसर पर जिला मुख्यालय के शंकर बाजार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती शिशु वाटिका में माता सरस्वती जन्मोत्सव का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान यज्ञ करते हुए 95 नौनिहालों का पाटी पूजन कराया गया।

कार्यक्रम में माता सरस्वती का पूजन कर-के शिशुओं के पाटी पूजन का शुभारम्भ किया गया। विद्यालय के शिशु भारती के पदाधिकारी व विद्यालय के प्रबंधक कु आशीष सिंह व प्रधानाचार्य गिरजाकांत बुधौलिया, अरुण दत्त ने मंत्रो के साथ यज्ञ एवं पाटी पूजन करवाया। पाटी पूजन में 95 शिशुओ ने प्रतिभाग किया एवं माला पहनाकर उनको आशीर्वाद दिया गया। शिशुओ के साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे। इसके बाद यज्ञ वेदिका पर हवन पूजन किया गया।

23 अक्टूबर को बंद रहेंगे न्यायालय

चित्रकूटः जनपद न्यायाधीश राकेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बीती नौ जनवरी को स्थानीय अवकाश किया गया था। उच्च न्यायालय इलाहाबाद बीती 14 जनवरी (मंगलवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है। ऐसे में पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश 14 जनवरी (मंगलवार) के एवज में जिलाधिकारी चित्रकूट के कैलेण्डर को दृष्टिगत रखते हुए आगामी 23 अक्टूबर को दीपावली पर्व पर अवकाश घोषित किया जाता है। बताया कि 23 अक्टूबर को जनपद के न्यायिक अधिष्ठान के वाह्य न्यायालय मऊ, ग्राम न्यायालय मानिकपुर सहित सभी न्यायालयों में अवकाश रहेगा।

ग्राम पंचायतों के रिक्त पदों के लिए उप चुनाव कार्यक्रम निर्धारित

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निदेशोनुसार ग्राम पंचायतों वैधानिक रुप से रिक्त स्थानों व पदों पर उप निर्वाचन संपन्न कराने के लिए समय सारणी निर्धारित की गई है। बताया कि उप निर्वाचन के लिए नामांकन पत्र को जमा करने की अंतिम तिथि व समय आठ फरवरी पूर्वाह्न 10 से अपराह्न 4 बजे तक, नामांकन पत्रों की जांच की तिथि व समय 10 फरवरी पूर्वाह्न 10 बजे से कार्य समाप्ति तक, नाम वापस लेने की तिथि व समय 11 फरवरी पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक, प्रतीक आवंटन तिथि व समय 11 फरवरी अपराह्न तीन बजे से कार्य की समाप्ति तक, मतदान तिथि व समय 19 फरवरी प्रातः सात से सायं पांच बजे तक एवं मतगणना तिथि व समय 21 फरवरी प्रातः आठ बजे से कार्य की समाप्ति तक निर्धारित की गई है। बताया कि इस उप निर्वाचन में अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित रामनगर ब्लाक के बल्हौरा ग्राम प्रधान पद सहित सदर ब्लाक के दहिनी ग्राम पंचायत, शिवरामपुर ग्राम पंचायत, बराछ, पहाड़ी ब्लाक के ग्राम पंचायत पहाड़ी बुजुर्ग, बालापुर खालसा, मानिकपुर ब्लाक के अरवारा, रामपुर तरौंहा, चंद्रामारा, कोठिलिहाई में ग्राम पंचायत सदस्य के पदों के लिए उप चुनाव कराए जाएंगे। बताया कि इन उप चुनावों के लिए प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र का पूर्ण विवरण सहित खंड वार नियुक्त किए गए पंचायत निर्वाचन अधिकारी की सूचना पांच फरवरी को निर्गत की जाएगी। साथ ही उप निर्वाचन के कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए गांव में मुनादी कराकर सर्वसाधारण को इसकी सूचना दी जाएगी।

सपा व्यापार सभा एवं रुक्मणि सेवा संस्थान ने किया समाजवादी रसोई का शुभारंभ

चित्रकूट ब्यूरोः वसंत पंचमी के अवसर पर समाजवादी व्यापार सभा एवं रुक्मणि सेवा संस्थान द्वारा चित्रकूटधाम कर्वी रेलवे स्टेशन के पास समाजवादी रसोई की शुरूआत की गयी। जिसमें प्रयागराज महाकुम्भ जाने वाले और धर्मनगरी दर्शन के लिए आये हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया।

समाजवादी व्यापार सभा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हिमांशु गुप्ता ने कहा की समाजवादी रसोई अनवरत ही चलती रहेगी और अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगो के लिए भोजन पानी की व्यवस्था करेगी, जिससे कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न सोए। समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष पप्पू जायसवाल ने कहा कि समाजवादी रसोई के द्वारा हर अमावस्या मेला में चित्रकूट दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओ के लिए भोजन पानी की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि डॉ अंकुर सिंह ने समाजवादी रसोई की शुरूआत पर सजासेवियों को बधाई दी और भविष्य में होने वाले आयोजन के पर सहयोग का आश्वाशन दिया। साथ ही श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया।

इस मौके पर मौजूद राष्ट्रीय कलार महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री गौरेन्द्र शिवहरे, वरिष्ठ व्यापारी व समाजसेवी पीडी गुप्ता, विजय गोयल, समाजसेवी पप्पू धतुरहा, रुक्मणि सेवा संस्थान के अतुल रैकवार, शुभम गुप्ता, संदीप सिंह, रंजय मिश्रा, संदीप गुप्ता, कुलदीप, ठाकुर मनोज सिंह, शनी बैरी, संदीप सविता, नेहा, नीलम, रजनी देवी, अमन केशरवानी, गन्नू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ककराना में भगवान देवनारायण की 1113वीं जयंती मनाई

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं चंवरा। उदयपुरवाटी क्षेत्र के ग्राम पंचायत ककराना में बुधवार को ककराना की पहाड़ी पर स्थित भगवान देवनारायण मंदिर पर भजनों के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर पुजारी बन्ना राम गुर्जर ने बताया कि सुबह गोठियो के द्वारा गोठ कर भगवान देवनारायण व साडु माता की विधि विधान से पूजा की। जिसमें भजन गायक महेश कुमार मुसनोता हरियाणा के कलाकारों द्वारा कथा एवं जागरण में भजनों की

प्रस्तुतियां दी गई। मंदिर प्रांगण में दिन भर भंडारा प्रसाद चला। भक्तों का दिन भर मंदिर में धोक लगाई।देव सेवा समिति ककराना के कार्यकर्ताओं ने दिन भर व्यवस्था संभाली रखी थी।

इस दौरान शेर सिंह खटाणा, पूर्व सरपंच उमराव भडाणा , देवेन्द्र कुमार सैनी,डीलर सुबोध कुमार सैनी, सुशील अग्रवाल, रामरतन गोठवाल,नागर मल सैनी गुड़ा वाले,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विकास कुमार गुर्जर,बंजरग सिंह, भोजराज गुर्जर,सांवर मल खटाणा,रामलाल दौराता, सुमेर कोली, मातादीन कोली सहित हजारों भक्त उपस्थित थे।

लोकदेवता देवनारायण की 1113 वीं जयंती मनाई

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो गुढ़ागौड़जी। चंवरा मोड़ गुढ़ा गौड़जी में गुर्जर टी स्टॉल के पास मंगलवार को गुर्जर समाज के लोगों ने भगवान श्री देवनारायण के फोटो चित्र पर पुष्प अर्पित कर 1113 वीं जयंती मनाई।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर केसरीपुरा,दिनेश गुर्जर पनोरमा,जेपी खटाणा,राजेश खटाणा किशोरपुरा,राजेश भढाणा,मुकेश गुर्जर बुरली, रोहिताश डोई छापोली,सचिन कसाणा, देवेंद्र सिराधना,राजवीर कसाणा,बिट्टू गुर्जर,सुनील बुरली सहित कई लोग मौजूद रहे ।

आसाराम के बाद अब उसके सेवादारों पर भी छेड़छाड़ का आरोप

दर्ज हुआ लज्जा भंग करने का मामला

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

जोधपुर । नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के पैरोल पर बाहर आते ही अब उनके सेवादारों पर भी यौन शोषण के आरोप लग गए हैं। जोधपुर में आसाराम के सेवादारों के खिलाफ लज्जा भंग करने का मामला दर्ज हो गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के जोधपुर आश्रम के सेवादारों पर भी यौन शोषण के आरोप लग गए हैं। आसाराम के जोधपुर आश्रम में कुछ महिलाओं ने सेवादारों पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए एफआईआर भी करवा दी है। बता दें कि मध्यप्रदेश की कुछ महिलाएं जोधपुर आश्रम में सत्संग सुनने आई थीं। इनका आरोप है कि आश्रम के चार सेवादारों ने अलग कमरे में ले जाकर उनके साथ छेड़छाड़ की। इसमें आसाराम का लीगल टीम संभालने वाला पंकज उर्फ अर्जुन और स्वास्थ्य टीम के प्रमुख डॉ. सचित भोला शामिल है। इसमें चेतनराम साहू और जीवननाम के शख्स को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि, यह घटना 21 जुलाई 2024 की बताई जा रही है।

महिला का आरोप?

महिला का आरोप है कि जेल से ही आसाराम का ऑनलाइन सत्संग चलता था। सत्संग सुनने गई महिलाओं के साथ वहां छेड़छाड़ की गई। आरोप यह भी है कि इसके बाद मामले को दर्ज कराने के लिए महिलाएं पुलिस के पास गईं, लेकिन केस दर्ज नहीं किया गया। पुलिस कमिश्नर से भी इसकी शिकायत की गई, लेकिन इसके बाद भी मामला दर्ज नहीं किया गया। अब इस्तगासे के जरिए पीड़ित महिला ने रिपोर्ट डाली तो पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

आश्रम में सत्संग सुनने गई थी महिला

इस्तगासे के माध्यम से कमिश्नरेट के बोरानाडा थाने में दर्ज हुए इस प्रकरण में मध्यप्रदेश की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि वह आसाराम के आश्रम पाल रोड जोधपुर में आती रहती है और ऑनलाइन सत्संग सुनती है। उस दिन परिवादी के साथ छह बहनें और साधक भी सत्संग सुन रहे थे। बात 21 जुलाई 2024 की है, जब हम सभी साधक भाई बहनें गुरु पूर्णिमा मनाने आश्रम पाल रोड जोधपुर गए थे। सत्संग ऑनलाइन लाइव आ रहा था।

महिलाओं ने बताया कि सत्संग सुनने के दौरान हमने सेवादारों से पूछा कि केस अच्छे से लड़ रहे हो या नहीं। इस पर सेवादारों ने कहा कि आप हमें मत पूछो आश्रम मैनेजमेंट के मुखिया और लीगल टीम के मुखिया पंकज मीरचंदानी उर्फ अर्जुन से पूछो कि केस के बारे में क्या चल रहा है। हमने पंकज से मिलवाने को कहा है तो साधकों ने कहा कि चलो ऊपर तुम्हें मिलवाता हूं।

पीड़ित महिला ने बताया कि उसके साथ छह बहनें भी आश्रम के ऊपर गई तो वहां पर पंकज मीरचंदानी, चेतन, जीवन और बाकी अन्य लोग भी थे। ऊपर जाते ही इन लोगों ने पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगे। महिलाओं ने बाकी सेवादारों को यह बात बताई और कुछ सेवादार ऊपर आए, तब तक पंकज मीरचंदानी खिड़की से भाग गया और फिर हम लोगों ने चेतन को पकड़ लिया था।

मौका पाकर चेतन भी भागकर कमरे का दरवाजा बंद कर दिया। तब हम लोग नीचे उतरकर आए और कहा कि पंकज कमरे से गायब हो गया है। तब कुछ लोगों ने बताया कि एक आदमी खिड़की से कूदा और मौन मंदिर में चला गया। तब हम लोगों ने खिड़की से झांक कर देखा तो पंकज मौन मंदिर में था, तब हमने उसको भला बुरा कहा।

बेटी को ससुराल छोड़ने गए व्यक्ति के साथ हुई मारपीट, रस्सी से बांधकर चप्पलों और डंडों से पीटा

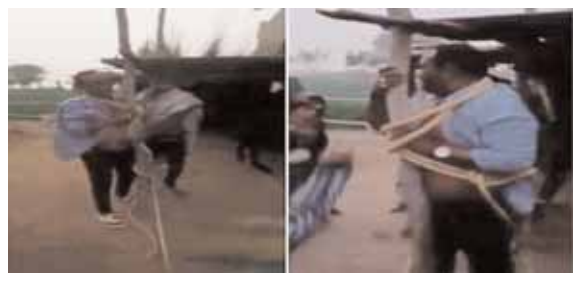

अलवर। बेटी को ससुराल छोड़ने गए एक व्यक्ति को कोटपुटली के गोपालपुर गांव की कंजर बस्ती के लोगों ने रस्सी से बांधकर चप्पलों, डंडों और मुक्कों से जमकर पीटा। रविवार को हुई इस घटना का सोशल मीडिया पर तेजी से वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले के कोटपुटली में हुई एक घटना ने पूरे प्रदेश को हिला दिया है। यह घटना पूरे देश में तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यहां गोपालपुर गांव की कंजर बस्ती में बेटी को ससुराल छोड़ने आए एक व्यक्ति को रस्सी से बांधकर जमकर पीटा गया। वीडियो में काफी संख्या में महिला और पुरुष एक व्यक्ति को चप्पलों, डंडों और मुक्कों से पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

घटना रविवार की बताई जा रही है। पीड़ित ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि उसने जैसे-तैसे वहां से भागकर अपनी जान बचाई। सोमवार को मारपीट की वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसके गले से चांदी की चेन, सोने की अंगूठी और जेब से सात हजार रुपये भी निकाल लिए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें लोग जमकर गाली-गलौज करते नजर आ रहे हैं।

थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। हालांकि पूरे घटनाक्रम की जानकारी नहीं मिल सकी है। मामले की शुरूआती जांच-पड़ताल में सामने आया है कि किसी पुराने आपसी विवाद के चलते यह हमला हुआ है।

सांवलियाजी की तर्ज पर केकड़ी में बनेगा भव्य मंदिर

खाटूश्याम मंदिर के पाटोत्सव पर विधायक ने किया ऐलान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

केकड़ी । चित्तौड़गढ़ जिले के प्रख्यात श्री सांवलिया जी मंदिर की तर्ज पर केकड़ी में भी शीघ्र ही सांवलिया सेठ का विशाल मंदिर बनाया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही जमीन का चयन कर उसे मंदिर के लिए आवंटित कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने खाटूश्याम मंदिर के प्रथम पाटोत्सव के मौके पर जयपुर रोड पर आयोजित भजन संध्या के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए घोषणा की कि केकड़ी में सांवलिया सेठ का विशाल मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए जल्दी ही शहर में भूमि चिन्हित कर उसे मंदिर के लिए आवंटित कराने की कार्रवाई की जाएगी।

विधायक गौतम ने कहा कि केकड़ी आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत धार्मिक नगरी है। वर्ष पर्यंत आयोजित होने वाले सभी धर्मों के भव्य विशाल धार्मिक अनुष्ठान व उत्सव इस शहर की परंपरागत पहचान हैं। उन्होंने खाटूश्याम मंदिर व इसके साथ जुड़े लक्ष्मीनारायण मंदिर व बालाजी महाराज मंदिर के पाटोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि एक वर्ष पूर्व स्थापित खाटूश्याम मंदिर अल्प समय में ही हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन गया है। इस अवसर पर उन्होंने देश के ख्यातनाम कलाकारों को आमंत्रित कर केकड़ी में एक और विशाल भजन संध्या आयोजित करने की घोषणा की।

विधायक गौतम ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश के आने वाले बजट में केकड़ी को विशेष सौगात मिलने वाली है। उन्होंने बताया कि पुराना कोटा मार्ग व सावर होते हुए नसीराबाद-देवली फोरलेन सड़क मार्ग का कार्य शीघ्र ही शुरू होने वाला है। इसके बनने से इलाके के लोगों को यातायात के भारी दबाव के कारण होने वाले हादसों से निजात मिल सकेगी।

इस अवसर पर श्री श्याम प्रेमी सेवा समिति व पोकीनाड़ी विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रकाशदास महाराज, गोकुल शर्मा, ऋषभ मित्तल व रिदेश अरोड़ा ने भजन प्रस्तुत किए। भजन संध्या के दौरान भगवान श्रीनाथ की आकर्षक झांकी सजाई गई तथा 56 भोग लगाकर अलसुबह महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। विधायक शत्रुघ्न गौतम ने भजन कलाकारों का माल्यार्पण व दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया।

पाटोत्सव के तहत क्षेत्र के प्रभातफेरी निकाली गई, जिसमें अलग-अलग गांवों से आए लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बिजासण माता मंदिर से शुरू हुई प्रभात फेरी जयपुर रोड स्थित मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रभात फेरी के सदस्यों का सम्मानित किया तथा भंडारे का आयोजन किया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

पानी राशनिंग प्रावधानों पर फिर छिड़ी बहस, फिलहाल प्रवर समिति के पास ही रहेगा भूजल प्राधिकरण विधेयक

जयपुर-पानी की राशनिंग को लेकर पिछले सत्र में लाया गया भूजल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक 2024 को इस सत्र में भी सरकार प्रवर समिति के पास ही रखने जा रही है। पिछले सत्र में बिल पर विवाद होने के चलते सदन में चर्चा के बाद इसे पुनर्विचार के लिए प्रवर समिति को भेज दिया गया था।

राजस्थान की भजनलाल सरकार पिछले विधानसभा के बजट सत्र में पानी राशनिंग को लेकर जो भूजल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक 2024 लाई थी। वह मौजूदा सत्र में भी प्रवर समिति के पास ही रहेगा। पिछले सत्र में इस बिल को चर्चा के लिए सदन में रखा गया था, लेकिन कांग्रेस के साथ ही भाजपा विधायकों ने भी इसका खुलकर विरोध कर दिया था।

बिल में सरकार ने भूजल प्रबंधन के लिए नया प्रधिकरण गठन करने का प्रस्ताव रखा था। कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने इसका यह कहते हुए विरोध किया था कि बिल में पानी की राशनिंग करने के प्रावधान किए गए हैं। विधेयक में राजस्थान में निजी इंडस्ट्रीज और घरेलू ट्यूबवेल्स खुदाई पर बैन लगाए जाने का प्रावधान था। साथ ही राज्य में जो इंडस्ट्रीज चल रही हैं, उनमें टेलीमीट्रिक डिजिटल वाटर मीटर लगाए जाने के प्रावधान भी बिल में थे।

विवाद गहराया | आरयूएचएस में वीसी की नियुक्ति को लेकर विवाद गहराया

आईएमए ने राज्यपाल को पत्र लिखकर कही अपनी बात

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

जयपुर। आरयूएचएस में वीसी की नियुक्ति को लेकर विवाद गहरा गया है। आईएमए की राज्य शाखा ने इस संबंध में राज्यपाल को पत्र लिखकर इस पद पर किसी बाहरी व्यक्ति की नियुक्ति नहीं किए जाने की मांग की है।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर पद पर बाहरी राज्य के डॉक्टर की संभावित नियुक्ति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की राज्य शाखा ने इस संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को पत्र लिखकर मांग की है कि इस पद पर राजस्थान के चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सीनियर डॉक्टर को ही नियुक्त किया जाए।

IMA का कहना है कि बाहरी व्यक्ति

की नियुक्ति से प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र को नुकसान होगा। संगठन ने रिम्स जैसे महत्वपूर्ण संस्थान के निर्माण में स्थानीय विशेषज्ञों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है। डॉक्टरों का तर्क है कि वर्षों से सेवाएं दे रहे स्थानीय चिकित्सकों को नजरअंदाज करने से चिकित्सा शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बाहरी व्यक्ति की नियुक्ति से प्रशासनिक और क्षेत्रीय समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं।

पिछले माह हुए साक्षात्कार में कार्यवाहक वीसी डॉ. धनंजय अग्रवाल को शामिल नहीं किया जाना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। साक्षात्कार में जेएलएन मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. वीबी सिंह, आरयूएचएस के पूर्व प्रिंसिपल और एसएमएस के पूर्व अधीक्षक डॉ. राजेश शर्मा, एसएमएस के पूर्व अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. एसएम शर्मा और आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल शामिल थे। इनके अलावा महाराष्ट्र से डॉ. प्रमोद गोविंदराव येवले भी साक्षात्कार में भाग लेने पहुंचे थे।

IMA ने स्पष्ट किया है कि राजस्थान के चिकित्सा शिक्षा से जुड़े डॉक्टरों की नियुक्ति से ही प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उनका कहना है कि बाहरी व्यक्ति की नियुक्ति से डॉक्टरों के हितों का भी हनन होगा। इस मामले में फिलहाल साक्षात्कार प्रक्रिया को रोक दिया गया है। अब सभी की नजरें राज्यपाल और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

जश्न-ए-साबिर पाक में कव्वालों ने समां बांधा, रईस अनीस साबरी को देखने उमड़े लोग

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। अराकीन बज्मे साबिर पाक इंतजामिया कमेटी सूफी टोला पुराना शहर की जानिब से जेरे सरपरस्ती हज?त शाह अली मंज? एजाज कुद्दुसी साबरी (सज्जादानशीन दरगाह साबिर पाक कलियर शरीफ) की सरपरस्ती में सोमवार को पुराना शहर स्थित एवाने फरहत शादी हाल में जश्न-ए-साबिर पाक मनाया गया। आशिकाने साबिर पाक ने कलियर शरीफ से आए हुए सज्जादगान से लोगों दुआओ के लिए कहा ! इस दौरान मीडिया प्रभारी मोमिन चिश्ती, सैफ वली खान, मुन्ना साबरी, नासिर खान, डॉक्टर उरूज अख्तर, एडवोकेट तसव्वर हुसैन, सलमान साबरी, शुएब, अफजाल,नसीम खान फरीदी भाई मौजूद रहे।

बरेली कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई खाद और बीज पर छापेमारी सात दुकानों के लाइसेंस निलंबित

बरेली ,कृषि विभाग के अधिकारियों ने मीगरंज क्षेत्र में खाद और बीज की 11 दुकानों पर छापा मारकर जांच की। ओवररेटिंग, अधूरे दस्तावेज, दुकान बंद कर भागने पर सात दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए और चार दुकानों से खाद और बीज के नमूने लिए गए। छापेमारी के दौरान अफरातफरी का माहौल रहा जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने मीरगंज की तहसील गांव हुरहुरी घनेटा मिजार्पुर और शाही क्षेत्र लगते हैं वहां के खाद औए बीज दुकानो पर टीम ने छापेमारी की कार्रवाई की गई है और यूरिया खाद को लेकर निरीक्षण किया गया था कही पर कोई ओवर रेटिंग या अनियमितताएं तो नही चल रही है इसको ध्यान में रखते हुए कुछ दुकानों दुकानों पर निरीक्षण किया गया जिसमे कृषि विभाग ने चार सैंपल भी भरे हैं और कुछ लोगों के अभिलेख अपूर्ण थे जिस कारण से सात दुकानों के लाइसेंस भी निलंबित किए हैं कुछ दुकानदार अपना प्रतिष्ठान बंद करके फरार हो गए थे उन पर भी कार्रवाई के तहत उनके भी लाइसेंस निलंबित किए गए हैं और उन दुकानदारों को कड़ी चेतावनी देकर दुकानदारों से स्पष्टीकरण मांगा गया है

जिला अधिकारी ने फरियादियों की सुनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के दिए निर्देश.

एनपीटी ब्यूरो.

बरेली। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने आज प्रत्येक दिवस की भांति कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जन सामान्य की शिकायतों को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। जन समस्याओं को समस्त सम्बंधित अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आमजन की शिकायतों को सुनकर शत प्रतिशत उनका निराकरण किया जाये।

जनसुनवाई के दौरान कहा कि जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान जो भी शिकायतें आ रही है उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं और शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट होना चाहिए।

बाग में पेड से लटका मिला लापता युवक का शव, सनसनी

गांव किवाना निवासी युवक के रूप में हुई मृतक की शिनाख्त, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

एनपीटी संवाददाता

कांधला। दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाइवे स्थित नानूपुरी गेट के सामने स्थित एक बाग में एक 25 वर्षीय युवक का फांसी पर लटका शव मिलने से सनसनी फैल गयी। राहगीरों की सूचना पर कांधला पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को नीचे उतारकर कब्जे में ले लिया। मृतक की शिनाख्त गांव किवाना निवासी युवक के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाइवे स्थित गांव नानूपुरी गेट के सामने स्थित बाग में एक युवक का पेड पर लटका शव मिलने से सनसनी फैल गयी। वहां से गुजर रहे लोगों की नजर जब पेड से लटके युवक पर पडी तो उन्होंने मामले की सूचना तुरंत कांधला पुलिस को दी जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को नीचे उतारकर उसकी शिनाख्त का प्रयास किया। मृतक की शिनाख्त क्षेत्र के गांव किवाना निवासी 25 वर्षीय सुनील उर्फ सोनू के रूप में हुई। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दी तो उनमें कोहराम मच गया। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि सोनू सोमवार की रात से लापता था जिसकी उन्होंने काफी तलाश की थी लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया था। बताया जाता है कि सुनील उर्फ सोनू विवाहित है और उसकी पत्नी व एक डेढ वर्ष का पुत्र भी है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा जांच पडताल शुरू कर दी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्टेटस पर डाला सुसाइड नोट

सुनील उर्फ सोनू ने अपने मोबाइल के स्टेटस पर छोडे सुसाइड नोट में कहा है कि वह अपनी मर्जी से इस दुनिया को छोड रहा है, उसने परिवार से माफी मांगते हुए लिखा कि मैं आपके व्यवहार से बहुत दुखी हूं, मुझे बेहद परेशान किया जा रहा है, मैं अपनी मर्जी से जा रहा हूं, इसलिए किसी को भी परेशान न किया जाए।

बलवा चौराहे पर नई पुलिस चौकी का भूमि पूजन संपन्न

आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं व वारदातों पर लगेगा अंकुश, जल्द पूरा होगा निर्माण

एनपीटी संवाददाता

शामली। बलवा चौराहे पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं व आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नई पुलिस चौकी की स्थापना होगी। मंगलवार को बलवा चौराहे पर नई चौकी के भूमि पूजन का आयोजन किया गया जिसमें पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। चौकी जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगी। बलवा चौराहे पर होने वाली दुर्घटनाओं व आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस चौकी का निर्माण प्रारंभ हो गया है। मंगलवार को चौकी के भूमि पूजन का कार्य संपन्न हुआ। पूजा अर्चना पं. उपेन्द्र द्विवेदी ने संपन्न कराई। एसआई राजकिशोर शर्मा ने बताया कि शामली के बाद सिर्फ खंदरावली में ही पुलिस चौकी बनी हुई है, बलवा चौराहे पर

अक्सर कोई न कोई दुर्घटनाएं होने पर पुलिस को मौके पर पहुंचने में समय लगता था लेकिन अब बलवा चौराहे पर ही चौकी का निर्माण होने से इस समस्या से निजात मिलेगी। वहीं आसपास होने वाली आपराधिक घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। इस चौकी पर 24 घंटे पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। जल्द ही चौकी का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।इस मौके पर एसआई राजकुमार, एसआई युनूस खान, एसआई बाबूराम, एएसआई मनीष कुमार, हैड कांस्टेबिल सोहित, गौरव पूनिया, रोहित कुमार, नवाब सिंह आदि भी मौजूद थे।

स्वयंसेवकों ने दी गुड टच, बेड टच की जानकारी

कैराना। विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई के तत्वावधान द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने प्रथम सत्र के तहत महाविद्यालय परिसर में श्रमदान किय। डॉ. डॉली ने बताया कि वर्तमान में जनपद शामली में मायभारत के अंतर्गत एक फरवरी से आयोजित एक फरवरी से आयोजित भारत सरकार युवा मामले एवं खेल मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण कार्यक्रम छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम द्वितीय चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई के कुल 13 स्वयंसेवक कोतवाली कैराना और महिला थाना शामली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, स्वयंसेवकों द्वारा कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय आर्यपुरी में छात्र–छात्राओं को गुड टच, बेड टच के विषय में जानकारी दी।

वेश्यावृत्ति का लगाया आरोप

कैराना। मोहल्ला आर्यपुरी निवासी कुछ लोगों ने मोहल्ले में रहने वाले एक दिव्यांग व्यक्ति पर वेश्यावृत्ति कराने का आरोप लगाया है। विरोध करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है।

ट्रैक्टर ट्राला ने स्कूटी में मारी टक्कर, बाल-बाल बची दो युवतियां

कैराना रोड पर हुई घटना, आरोपित चालक मौके से हुआ फरार, पहुंची पुलिस

एनपीटी संवाददाता

शामली। शहर के कैराना रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राला द्वारा स्कूटी में टक्कर मार देने से दो युवतियां बाल-बाल बच गयी, हालांकि उनकी स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद आरोपित चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा युवतियों से घटना की जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार कैराना सीएचसी पर कार्य करने वाली

शामली निवासी दो युवतियां मंगलवार को स्कूटी पर सवार होकर कैराना जा रही थी, जब वे कैराना रोड पर पहुंची तथा तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रैक्टर ट्राला ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनों युवतियां सडक पर जा गिरी, आरोपित ट्रैक्टर ट्राला चालक उनकी स्कूटी को भी काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। युवतियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, हालांकि युवतियों को कोई गंभीर चोट नहीं आयी लेकिन उनकी स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। बाद में भीड को एकत्र होता देखकर

आरोपित चालक मौके से फरार हो गया। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा युवतियों से घटना की जानकारी ली। वह तो सौभाग्य रहा कि हादसे के समय कोई वाहन नहीं आ रहा था वरना बडा हादसा हो सकता था। बाद में युवतियों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस अब आरोपित ट्रैक्टर ट्राला चालक की खोज में जुट गयी है।

अश्लील वीडियो भेजकर सगाई तुड़वाने का प्रयास, रिपोर्ट दर्ज

एनपीटी संवाददाता

कैराना। युवती की अश्लील वीडियो भेजकर सगाई तुड़वाने का प्रयास किया गया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नगर के एक मोहल्ले के रहने वाले व्यक्ति ने साइबल सेल में शिकायत की गई थी। इसके बाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में पांच लोग उसकी नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर ले गए थे। इसके बाद दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना के संबंध में कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पीड़िता के बालिग होने पर परिजनों द्वारा जिले के ही एक कस्बे में गत एक जनवरी को सगाई तय कर दी गई। इसके बाद 30 जनवरी को एक मोबाइल नंबर से उसके होने वाले दामाद के मोबाइल नंबर पर उसकी पुत्री की अश्लील वीडियो भेजी गई और रिश्ता तुड़वाने का प्रयास किया गया है। इसकी जानकारी होने पर उसकी पुत्री ने मोबाइल नंबर पर कॉल की, जिसमें एक महिला ने बात की। महिला ने उसकी पुत्री को रिश्ता हटाने को कहा, लेकिन उसकी पुत्री ने इनकार कर दिया। इसके बाद अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। पीड़ित ने बताया कि वीडियो के जरिये ब्लैकमेल किया जा रहा है। मामले में पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

युवक पर चाकू से हमला कर किया घायल, पीडित ने दी तहरीर

एनपीटी संवाददाता

कैराना। नाई की दुकान पर बैठे युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला आलकलां निवासी जुनैद ने बताया कि मंगलवार को वह मोहल्ले में मंदिर वाली गली में नाई की दुकान पर बैठा हुआ था। आरोप है कि तभी 15–20 लड़के चाकू से लैस होकर वहां पहुंचे, जिन्होंने उसके साथ मारपीट कर दी। इस दौरान चाकू से हमला किया गया, जिसमें चाकू लगने से वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। बाद में पीड़ित ने कोतवाली में पहुंचकर घटना के संबंध में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों में उसने एक आरोपी को पहचान लिया है। मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गोवध अधिनियम समेत सात मामलों में आठ दोषी, सजा

एनपीटी संवाददाता कैराना। गोवध अधिनियम, चोरी व मारपीट सहित सात अलग–अलग मामलों में कोर्ट ने आठ आरोपियों को दोषी करार दिया। दोषियों को सजा सुनाई गई है। वर्ष 2019 में झिंझाना थाने पर गांव पीरखेड़ा निवासी राजकुमार के विरूद्ध लॉकडाउन उल्लंघन के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में मंगलवार को दोषी को न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा और एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। दूसरे मामले में वर्ष 2014 में कैराना कोतवाली पर अफसर निवासी गांव भूरा के विरूद्ध चोरी का मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया था। मामले में कोर्ट ने दोषी को जेल में बिताई गई अवधि के कारावास और दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं, 2017 में झिंझाना थाने पर गांव होशंगपुर निवासी नोबिल व उसकी पत्नी पिंकी के विरूद्ध मारपीट और धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। दोषियों को न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा और 2500–2500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। चौथा मामला वर्ष 1997 का है, शामली कोतवाली पर वीरेंद्र निवासी ग्राम गढ़ी थाना कांधला के विरूद्ध चोरी एवं माल बरामदगी के तहत दर्ज हुआ था। कोर्ट द्वारा दोषी को जेल में बिताई गई अवधि और 100 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। पांचवें मामले में वर्ष 1999 में झिंझाना थाने पर गांव टपराना निवासी शानू के विरुद्ध गोवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन चल रहा था। कोर्ट ने आरोपी के दोषी पाए जाने पर जेल में बिताई गई अवधि के कारावास और दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। छहवें मामले में वर्ष 2023 में चौधरी चरण सिंह कॉलोनी निवासी विपिन लाटियान के विरूद्ध चोरी की संपत्ति छिपाने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए दोषी को न्यायालय उठने तक की अवधि की सजा सुनाई और सात हजार रुपये अर्थदंड अधिरोपित किया गया। इनके अलावा वर्ष 2017 में कैराना कोतवाली पर गांव खुरगान निवासी नरेश के विरूद्ध रेत चोरी एवं बरामदगी तथा खनन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले में दोषी को जेल में बिताई गई अवधि के कारावास और छह हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

हथियारों से फायरिंग की वीडियो वायरल

एनपीटी संवाददाता कैराना। दो युवकों द्वारा खुलेआम हथियारों से फायरिंग करने की तीन वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। मंगलवार को कैराना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर तीन वीडियो वायरल हुई है। दो वीडियो में एक युवक रात के अलग–अलग स्थान पर मस्कट से खुलेआम फायरिंग करता नजर आ रहा है। इसके अलावा तीसरी वीडियो में एक अन्य युवक दिख रहा है, जिसके द्वारा रिवॉल्वर से कई राउंड हवाई फायरिंग की जा रही है। इस वीडियो पर सॉन्ग भी लगाया गया है। वायरल वीडियो में दिख रहे युवक कैराना नगर के मोहल्ला छड़ियान के रहने वाले बताए जा रहे हैं। तीनों की वीडियो में आबादी क्षेत्र में फायरिंग करना प्रतीत हो रहा है। इस पूरे मामले से पुलिस अनभिज्ञ बनी हुई है। देखना है कि मामले में पुलिस की ओर से क्या कार्रवाई की जाएगी।

संक्षेप समाचार :

तहसील के समीप से बाइक चोरी

कैराना। तहसील के समीप खड़ी बाइक को अज्ञात द्वारा चोरी कर लिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। खैरून निवासी मोहल्ला शाहविलायत थानाभवन हाल निवासी नई बस्ती कांधला ने स्थानीय कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि दो फरवरी की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अपने पति अहसान के साथ बाइक से कैराना में किसी कार्य से आए हुए थे। तहसील के निकट वह छोले भटूरे के यहां खाना खाने चले गए। इसी दौरान अज्ञात द्वारा उनकी बाइक को चोरी कर लिया गया। वहीं, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली गई, तो उसमें चोर कैद हुआ है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मृतक के परिजनों को दी सांत्वना

शामली। शादी के कार्ड बांटकर घर लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत होने के मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। लगभग एक सप्ताह पहले कांधला क्षेत्र के गांव नन्नूपुरी निवासी युवक जितेंद्र पुत्र रामधन की बहन की शादी फरवरी माह में होनी है। जितेंद्र शादी के कार्ड बांटकर अपनी बाइक से वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह दिल्ली सहारनपुर हाइवे स्थित नन्नूपूरी गेट के समीप पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी थी। टक्कर लगने से जितेंद्र की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई थी। पीएम के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। मृतक जितेंद्र के पिता रामधन ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी थी। मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र निर्वाल पीड़ित परिजनों के आवास पर पहुंचे और ढांढस बढ़ाया। परिजनों का आरोप है कि कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस आज तक वाहन चालक का पता नहीं लगा पाई है। जिलाध्यक्ष ने स्थानीय थाना प्रभारी को मौके पर बुलाकर शीघ्र ही वाहन चालक को गिरफ्तार करने के लिए कहा है। वही परिजनों ने मामले में किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद ना मिलने की बात कहते हुए मदद की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने आर्थिक मदद दिलाने का आश्वाशन दिया है।

जमीनी विवाद में दंपती के साथ की मारपीट

कैराना। जमीनी विवाद के चलते परिवार के ही लोगों ने दंपती के साथ मारपीट कर घायल किया। गांव तितरवाड़ा निवासी दिव्यांग फाजिल ने बताया कि परिवार के ही लोगों के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि मंगलवार को उसके तथा उसकी पत्नी शाइना के साथ मारपीट कर दी गई। मारपीट में वह दोनों घायल हो गए। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराकर जांच शुरू कर दी है।

दुकान से चांदी की पाजेब चुरा ले गई महिलाएं

एनपीटी संवाददाता

कैराना। ज्वैलरी की दुकान से तीन महिलाओं द्वारा चांदी की पाजेब चोरी कर ली गई। आरोपी महिलाएं सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मोहल्ला जोड़वा कुआं बाजार निवासी अंकुर वर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने के लिए गया हुआ था। 28 जनवरी की शाम लगभग पांच बजे उसकी ज्वैलरी की दुकान पर भतीजा बैठा हुआ था। इसी दौरान तीन महिलाएं दुकान पर पहुंची और उसके भतीजे को बातों में उलझा लिया। इसी दौरान महिलाओं द्वारा चांदी की लगभग 500 ग्राम की पाजेब चोरी कर ली गई। पांच दिन बाद वह महाकुंभ से वापस लौटा और दुकान में आभूषणों को देखा, तो घटना का पता चला। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया गया, जिसमें महिलाएं चोरी करती हुई कैद हो गई है। मामले में पीड़ित ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

बालक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला

कैराना। रंजिशन घर में घुसकर नौ वर्षीय बालक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर घायल कर किया गया। बचाव में आई महिलाओं के साथ भी मारपीट की गई। मोहल्ला आलकलां निवासी इरशाद ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे वह तहसील में गया हुआ था। इसी दौरान पांच युवक आधा दर्जन से अधिक अज्ञात साथियों के साथ मिलकर घर में घुस आए। आरोपियों ने उसके नौ वर्षीय भतीजे उमैर पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें आंख के पास चोट लगने के कारण वह घायल हो गया। बचाव में आई परिवार की महिलाओं के साथ भी अभद्रता करते हुए मारपीट की गई। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। घटना की वीडियो उनके पास मौजूद है।

मौसम हुआ खराब, हल्की बूंदाबांदी से तापमान में गिरावट

एक बार फिर गर्म कपडों में नजर आए लोग, कभी बादल तो कभी निकली धूप

एनपीटी संवाददाता

शामली। सोमवार की रात मौसम के अचानक करवट बदलने व मंगलवार की सुबह हल्की बूंदाबांदी के कारण तापमान में गिरावट आई जिससे ठंड में इजाफा होने से लोग गर्म कपडों में नजर आए। मंगलवार को पूरे दिन कभी बादल तो कभी धूप का सिलसिला जारी रहा।

जानकारी के अनुसार पिछले कई दिनों से चटक धूप खिलने के कारण लोगों को जनवरी व फरवरी माह में गर्माहट का अहसास हो रहा था। लोगों को भी इस बात को लेकर अचंभा था कि जनवरी और

फरवरी में गर्मी जैसा माहौल बना हुआ है लेकिन सोमवार की रात मौसम ने अचानक करवट बदली और आसमान में बादल छा गए। मंगलवार की सुबह हल्की बूंदाबांदी के साथ बादल भी छाए रहे जिससे लोगों में बारिश होने की आशंका बनी रही, हालांकि तेज बारिश नहीं हुई लेकिन दिनभर आसमान में कभी बादल छा जाते तो कभी धूप निकल आती। यह दौर देर शाम तक जारी रहा। वहीं ठंड का असर बढने से लोग गर्म कपडों में नजर आए, बाजारों में भी सुबह के समय चहल पहल कम ही दिखाई दी। दोपहर के समय हल्की धूप निकलने के बाद लोगों को कुछ राहत मिली लेकिन ठंड का दौर जारी रहा। वहीं आसपास के देहात क्षेत्रों में भी हल्की बूंदाबांदी से ठंड का असर नजर आया।

जोगियान समाज की भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

समाधि जोगियान गुरु गोरखनाथ सेवा ट्रस्ट ने एडीएम से की कब्जामुक्त कराने की मांग

एनपीटी संवाददाता

शामली। समाधि जोगियान गुरु गोरखनाथ सेवा ट्रस्ट ने गांव बरलाजट में कुछ लोगों पर जोगियान समाज की भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए एडीएम से समाधि स्थल को कब्जा मुक्त करने व कब्जाधारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। मंगलवार को ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने एडीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि गांव बरलाजट में जोगियान समाधि स्थल स्थित है जहां जोगियान समाज के संत महात्मा उक्त भूमि में अपने साधु संतों की समाधि लेते आ रहे हैं लेकिन गांव के ही कुछ लोगों ने जोगियान समाज की इस भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है

तथा वहां कुरडी व बिटौडे भी डाल रखे हैं। जब वे समाधि स्थल पर साफ सफाई के लिए जाते हैं तो उक्त लोग उनके साथ गाली गलौच व मारपीट पर उतारू हो जाते हं। अगर जोगियान समाज के किसी व्यक्ति का निधन हो जाता है तो उसकी समाधि के लिए भी जगह नहीं मिल पाती। उन्होंने एडीएम से उक्त भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए कब्जाधारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष वासु, पप्पू, नरेन्द्र, गौतम, सुभाष, देवेन्द्र मौजूद रहे।

झामुमो की स्थापना दिवस समारोह में दहाड़े हेमन्त - कल्पना, राज्य के

1 लाख 36 हजार करोड़ बकाये के लिए करना होगा संघर्ष - हेमन्त सोरेन

एनपीटी, दुमका के गांधी मैदान में आयोजित झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के 46 वां स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए सीएम हेमन्त सोरेन ने कहा कि बाबा तिलका माझी, भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, पोटो हो, टाना भगत, नीलांबर-पीतांबर, शेख भिखारी जैसे कई वीरों की क्रांतिकारी भूमि है झारखण्ड। कहा देश के निर्माण में झारखण्ड ने हमेशा अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मगर हमें हमेशा अपने हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़नी पड़ी है। केन्द्र सरकार के आम बजट में भी झारखण्ड को दरकिनार कर दिया गया। हमें अपने राज्य के 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया लेने के लिए संघर्ष करना होगा। झारखण्ड में लोगों को सशक्त करने के लिए हम अनुदान देते हैं, लाभ देते हैं, जबकि केन्द्र सरकार लोगों को ऋण के जंजाल में फंसाकर उन्हें बांधना चाहती है। ऐसा यह लोग सिर्फ अपने कुछ मित्रों को ही फायदा पहुंचाने के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी और कई आंदोलनकारियों के अथक संघर्ष के बाद हमें यह राज्य मिला। अब इसे मिलकर आगे ले जाने का काम हमें करना है। कहा वर्षों से चले आ रहे, देर रात तक चलने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में दुमका में झामुमो के 46वें स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में शामिल हुआ। संथाल परगना समेत राज्य के विभिन्न

कोनों से आए सभी लोगों को हार्दिक बधाई, आभार और जोहार। वही झारखण्ड मुक्ति मोर्चा 46वां स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि आप सभी झारखंडवासियों और झामुमो के कर्मठ कार्यकताओं के बीच बोलने और अपने विचार साझा करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे संघर्ष, बलिदान और संकल्प का प्रतीक है। यह पल मेरे दिल के बेहद करीब रहेगा। उन्होंने कहा कि नेमरा गांव का वह बालक, जिसने गरीब-गुरबों, दलितों और वंचितों की आवाज बनकर महाजनी प्रथा के खिलाफ विद्रोह किया, झारखण्ड के हक और अस्मिता के लिए संघर्ष किया और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के रूप में हम सभी के पथप्रदर्शक बने। कहा उन्होंने झारखण्ड को एक नई पहचान दी, एक अलग राज्य का सपना साकार किया और अपने पूरे जीवन को झारखण्डवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इसी वजह से आज पूरा झारखण्ड उनके साथ खड़ा है। कल्पना सोरेन ने कहा कि आज मैं आप सभी झारखंडवासियों और झामुमो परिवार के हर कर्मठ साथी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं, क्योंकि आपकी ताकत और विश्वास की बदौलत अबुआ सरकार लगातार दो बार सत्ता में आई है। आपने हमें सेवा करने का अवसर दिया, और हमने दिल से झारखण्ड के विकास और जनकल्याण के लिए कार्य किया। आने वाले भविष्य में भी झारखण्ड की अस्मिता, हक और अधिकार की रक्षा के लिए हेमन्त जी के नेतृत्व में अबुआ सरकार ही सत्ता में आयेगी। उन्होंने कहा कि कोविड के कठिन दौर में जब पूरा देश मुश्किल में था, तब भी झारखण्ड में किसी ने भूख से दम नहीं तोड़ा, क्योंकि अबुआ सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी रही। लेकिन इससे पहले डबल इंजन सरकार के दौर में गरीब-गुरबों की कोई सुनवाई नहीं थी। उस समय झारखण्ड में भूख से हुई मौतें इस बात की दर्दनाक गवाही है कि सत्ता में रहते हुए इन्होंने झारखण्ड के असली लोगों की तकलीफों को कभी नहीं समझा। कहा इन्होंने विकास की गाड़ी नहीं चलाई, बल्कि डबल इंजन की ताकत से झारखंड को लूटा। लेकिन झारखण्ड की जनता ने इनके छलावे को पहचान लिया और आप सभी के प्यार और भरोसे ने हेमन्त जी को झारखण्ड की सेवा करने का अवसर दिया। आज, जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो गर्व से कह सकते हैं कि हमने सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि झारखण्ड के भविष्य को मजबूत करने का काम किया। कल्पना सोरेन ने कहा कि हमारा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। झारखण्ड को उसके हक का हर अधिकार दिलाना है, इसे विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों तक ले जाना है और इसके लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के 46वें स्थापना दिवस समारोह को सांसद विजय हसदा, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, हेमलाल मुर्मू अन्य ने भी सम्बोधित किया। दुमका की ऐतिहासिक धरती पर हजारों से अधिक झामुमो कार्यकर्ता सहित झामुमो प्रेमी शामिल हुए।

जिला परिषद की बैठक में जन मुद्दों पर की गई विशेष चर्चा

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), सूचना भवन सभागार में मंगलवार को जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती जुली खिष्टमनी हेम्ब्रम की अध्यक्षता में जिला परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन की समीक्षा की गई। इस बैठक में जिला परिषद पाकुड़ द्वारा निर्मित मार्केट कंपलेक्स सह-मैरेज हॉल में अवस्थित दुकानों के संचालन के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। जिला परिषद अधीन विभिन्न प्रखण्डों में अवस्थित डाक बंगला, शौचालय एवं रामचंद्रपुर में अवस्थित दुकानों का बंदोबस्ती हेतु पुनः दर निर्धारण के संबंध में विचार विमर्श किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद पाकुड़ के कार्यालय कक्ष के लिए क्रय किए गए उपस्करों का भुगतान हेतु घटनोतर स्वीकृति देने के संबंध में विचार विमर्श किया गया। साथ ही जिला परिषद कार्यालय में कार्यरत कर्मी एवं जिला परिषद सदस्य के लिए आवश्यक उपस्कर यथा कुर्सी, टेबुल, पंखा, स्टुल, कंप्यूटर सेट क्रय करने हेतु विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान सरकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने व आम लोगों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिलाने को लेकर संबंधित विभाग के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की गई। इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों के द्वारा अपने अपने इलाके में होने वाली समस्या को लेकर चर्चा किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती जुली खिष्टमनी हेम्ब्रम ने कहा कि जिला परिषद सदस्यों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों से आग्रह किया कि विकास कार्यो को शीघ्र पूरा करने के लिए आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करे, ताकि लंबित पड़े विकास कार्यो को शीघ्र पूरा किया किया जा सके। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार भगत के द्वारा बिजली, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, कृषि, आपूर्ति, मत्स्य, सहकारिता, शिक्षा विभाग, पशुपालन समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई एवं सम्बन्धित अधिकारी को जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया।

मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी सह- जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीति लता मुर्मू, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, पाकुड़ विधायक प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी एवं जिला परिषद सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जिले में चल रहे प्री बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का लिया जायजा

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), आगामी मैट्रिक और इंटर बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के द्वारा जिले के सभी सरकारी स्कूलों में मंगलवार को प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया। इस संबंध में उपायुक्त मनीष कुमार ने सदर प्रखण्ड के पाकुड़ राज प्लस 2 विद्यालय और सीएम एसओई गर्ल्स पाकुड़ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि यह प्री-बोर्ड परीक्षा पूरी तरह से फाइनल एग्जाम की तरह आयोजित की जा रही है, ताकि छात्र समय प्रबंधन और परीक्षा की गंभीरता को समझ सके। प्रश्नपत्र का पैटर्न मैट्रिक और इंटर परीक्षा को ध्यान में रखकर शिक्षकों की गठित टीम के द्वारा तैयार किया गया है।

जिले के सभी सरकारी स्कूलों में आयोजित परीक्षा में 10 वीं के छात्र छात्राओं ने प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान एवं द्वितीय पाली में अंग्रेजी और 12वीं के छात्र छात्राओं ने प्रथम पाली में भौतिकी, इतिहास, अकाउंटेंसी एवं द्वितीय पाली में भाषा, हिंदी, अंग्रेजी, कोर विषय की परीक्षा दिया। प्री-बोर्ड दसवीं में 92 प्रतिशत परीक्षार्थी एवं इंटरमीडिएट के साइंस में 73.76 प्रतिशत, कॉमर्स में 86.17 प्रतिशत एवं आर्ट्स में 85.29 प्रतिशत परीक्षार्थी शामिल हुए।

उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति को ले की वर्चुअल समीक्षा बैठक

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंगलवार को धान अधिप्राप्ति को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उपायुक्त ने सुयोग्य किसानों से धान की खरीददारी करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने संबंधित प्रखंडों के सभी प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी, प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, लैम्पस के अध्यक्ष एवं सचिव को जिले में अधिक से अधिक किसानों का निबंधन करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने तोड़ाई राईस मील एवं बड़हरवा राइस मील को सीएमआर ससमय नहीं देने के कारण शोकॉज करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने 10 फरवरी तक सभी लैम्प्स में 60 हजार क्विंटल धान अधिप्राप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही डीएसओ व डीसीओ को आलुबेड़ा लैंप्स, चेगाडांगा लैंप्स, दादपुर लैंप्स, कानीझारा लैंप्स, मदनमोहनपुर लैंप्स, पृथ्वीनगर लैंप्स की जांच करने का निर्देश दिया।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए डीसी, दिया निर्देश

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जायेगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान आवास से सम्बन्धित, सहायिका चयन एवं जमीन आदि से सम्बन्धित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

अज्ञात महिला की शव बरामद होने से फैली सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र अन्तर्गत पाकुड़- धुलियान पथ पर नव निर्मित चेकपोस्ट के एक रुम में अज्ञात महिला की शव बरामद होने का मामला प्रकाश में आया है। दरअसल बीते मंगलवार को पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पाकुड़ - चांदपुर मुख्य सड़क पर बने नये चेकपोस्ट के रुम में एक अज्ञात महिला की शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पुलिस पहुंचे और शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सोनाजोरी भेज दिया गया। वही पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही आये तो एक अज्ञात महिला की शव नये चेकपोस्ट के रूम में पड़ा हुआ मिला। जिसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पाकुड़ सदर अस्पताल सोनाजोरी ले जाया गया। उन्होंने कहा कि महिला आत्महत्या की या फिर अन्य से, जांच की जा रही है। बाहरेहल जो भी हो पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस तफ्तीश के पश्चात ही अज्ञात महिला की मृत्यु की आवश्यक अवयवों पर खुलासा हो सकता है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस आगे की कारवाई कर रही थी।

छात्र- छात्राओं को आउटरीच कार्यक्रम के तहत की गई जागरूक

एनपीटी ब्यूरो

झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर डालसा सचिव अजय कुमार गुड़िया के मार्गदर्शन में आज पाकुड़ के गंधाईपुर पंचायत के अंतर्गत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिहरा में उपस्थित छात्र छात्राओं के बीच नब्बे दिवसीय आउटरीच सह विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्यों, डीएलएसए से मिलने वाली निशुल्क कानूनी सहायता समेत जादू टोना , डायन प्रथा अंधविश्वास पर जागरूक की गई। पैरा लीगल वॉलिंटियर्स अमूल्य रत्न रविदास ने बताया कि यदि हम बीमार होते है तो हमें अस्पताल या डॉक्टर के पास जाना चाहिए। जादू टोना अथवा झाड़ फूंक न करवाए इसे बीमार व्यक्ति की जान का खतरा है। एजारुल शेख ने डायन प्रथा पर कहा कि अक्सर जमीन जायदाद के लोभ में डायन बता कर पड़तालित किया जाता है ये सब संपति हड़पने का साजिश होती है। इससे लोगों को बचाना चाहिए सर्तक व सावधान रहे। समेत कई कानूनी जानकारी दी गई।

ईजरप्पा ने की स्वचालित टिकट बिक्री मशीन लगाने की मांग

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ मालगोदाम रोड पर अवस्थित दोनों ऊपरी पैदल पुल के नीचे स्वचालित टिकट बिक्री मशीन (एटीवीएम) लगाने की मांग वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा राहुल रंजन से ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय ने किया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक को समर्पित अपने पत्र में राय ने कहा है कि माल गोदाम रोड पाकुड़ पूर्वी भाग का एक प्रमुख रोड है। जहां पर सब- वे और प्लेटफार्म नंबर एक व दो को जोड़ने वाली मालगोदाम पथ पर ऊपरी पैदलपुर अवस्थित है। पाकुड़ रेलवे गेट के बंद होने के उपरांत रेल यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने हेतु एकमात्र मार्ग वह है ऊपरी पैदल पुल, जहां से सैकड़ो की संख्या में प्रतिदिन रेल यात्री गाड़ी पकड़ने हेतु प्लेटफार्म नंबर 1 व 2 पर जाते हैं, पर यात्रा और प्लेटफार्म टिकट नहीं रहने पर उन्हें अत्यंत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। टिकट नहीं रहने के कारण ने दंड का भागी होना पड़ता है। परिणाम स्वरूप उन्हें जुमार्ना भी भरना पड़ता है। जिससे मानसिक और शारीरिक परेशानी होती है, क्योंकि उनके पास टिकट नहीं रहता है। इसलिए मालगोदाम रोड पर अवस्थित ऊपरी पैदल पुल के नीचे स्वचालित टिकट बिक्री मशीन (एटीवीएम) को स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। जिससे रेलवे को भी लाभ मिले और रेल यात्रियों को भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा था रेल यात्री भी निर्भिक होकर यात्रा कर सकेंगे। यहां यह बताना भी आवश्यक है कि इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा से उनके कार्यालय कक्ष हावड़ा तथा पाकुड़ प्रवास के दौरान वार्ता भी हुई है, तदोपरांत स्वचालित टिकट बिक्री मशीन लगाने हेतु विभागीय स्तर पर स्थल का निरीक्षण भी विभाग द्वारा निर्धारित जांच टीम के द्वारा किया गया है, पर अभी तक उस पर क्रियान्वयन नहीं किया गया है। ईजरप्पा अध्यक्ष हिसाबी राय ने पुनः वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा राहुल रंजन से रेल यात्रियों के सुविधार्थ अविलम्ब स्वचालित टिकट बिक्री मशीन (एटीवीएम) लगाने की मांग की है।

बाइक और पिकअप वाहन की टक्कर से दो युवक सहित एक नाबालिग की मौत

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), जिला पाकुड़ के महेशपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत बाबुपुर - भेटाटोला मुख्य सड़क बरमसिया गांव के समीप मुख्य सड़क पर बाइक और पिकअप वाहन की जोरदार टक्कर से बाइक सवार दो व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर थी, जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पाकुड़ ले जाया जा रहा था, लेकिन उपचार हेतु अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाइक और पिकअप वाहन की जोरदार टक्कर से हुई मौत में से दो युवक और एक नाबालिग शामिल था, जो हेलमेट का प्रयोग नहीं किया हुआ था। वही मृतकों की पहचान सद्दाम शेख, अजीम शेख और साजिर शेख के रूप में हुई। वही हादसे के बाद पिकअप वहान के ड्राइवर वहान को छोड़ नौ- दो- ग्यारह हो गया।

इन सीटों पर कांटे की टक्कर त्रिकोणीय मुकाबले में फंसे दिग्गज

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

दिल्ली। पिछले साल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी के बाद आप नेता अरविंद केजरीवाल के दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद यह पहला चुनाव है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में ह्यआप अपनी कल्याणकारी योजनाओं के दम पर लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली में 2025 विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान हो रहा है। दिल्ली में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच है। 70 विधानसभा सीटों के लिए कुल 699 उम्मीदवार मैदान में हैं, वोटों की गिनती 8 फरवरी को होगी। पिछले साल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी के बाद आप नेता अरविंद केजरीवाल के दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद यह पहला चुनाव है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप अपनी कल्याणकारी योजनाओं के दम पर लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा 25 वर्षों से अधिक समय के बाद राजधानी में फिर से सरकार बनाने का प्रयास कर रही है। दिल्ली में 2013 तक 15 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस पिछले दो विधानसभा चुनाव में एक भी सीट जीतने में विफल रहने के बाद वापसी की कोशिश कर रही है।

प्रतिष्ठा की लड़ाई की तरह दिख रहे अरविंद केजरीवाल अपने गढ़ नई दिल्ली में लगातार चौथी जीत पर नजर गड़ाए हुए हैं। आप प्रमुख, जिन्होंने

2013 से निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है, को भाजपा के परवेश सिंह वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित-दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। 2020 में केजरीवाल इस सीट से 21,687 वोटों से जीते।

जंगपुरा:मनीष सिसौदिया बनाम सरदार तरविंदर सिंह मारवाह बनाम फरहाद सूरी

पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया अपनी पुरानी सीट बदलकर जंगपुरा पहुंचे हैं। यह सीट पहले 2015 और 2020 दोनों में अअढ के प्रवीण कुमार ने जीती थी। वह एक उच्च-स्तरीय मुकाबले में भाजपा के सरदार तरविंदर सिंह मारवाह और कांग्रेस के फरहाद सूरी के खिलाफ हैं।

कालकाजी: आतिशी बनाम अलका लांबा बनाम रमेश बिधूड़ी

कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र एक भयंकर त्रिकोणीय मुकाबले के लिए तैयार है क्योंकि आप नेता और सीएम आतिशी का मुकाबला कांग्रेस की फायरब्रांड नेता अलका लांबा और भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी से है। 2020 में, आतिशी ने भाजपा के धर्मबीर सिंह के खिलाफ 11,393 वोटों के अंतर से सीट हासिल की।

छतरपुर: ब्रह्म सिंह तंवर बनाम करतार सिंह तंवर बनाम राजेंद्र सिंह तंवर

छतरपुर का चुनाव तंवरों की लड़ाई में बदल गया है। अअढ के ब्रह्म सिंह तंवर बीजेपी के करतार सिंह तंवर और कांग्रेस के राजेंद्र सिंह तंवर के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। 2020 में अअढ के टिकट पर सीट जीतने वाले करतार सिंह तंवर पिछले साल भाजपा में चले गए और अब इसके उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

मालवीय नगर:सोमनाथ भारती बनाम सतीश उपाध्याय बनाम जीतेंद्र कुमार कोचर

मालवीय नगर एक महत्वपूर्ण युद्ध का मैदान बना हुआ है, जहां आप के दिग्गज सोमनाथ भारती अपने तीन कार्यकाल के प्रभुत्व को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका मुकाबला भाजपा के सतीश उपाध्याय और कांग्रेस के जीतेंद्र कुमार कोचर से है, जिस पर करीबी नजर रहेगी।

पटपड़गंज: पटपड़गंज निर्वाचन क्षेत्र अअढ का गढ़ रहा है क्योंकि पिछले तीन चुनावों में पार्टी के दिग्गज नेता मनीष सिसोदिया ने यहां जीत हासिल की थी। हालाँकि, इस बार सिसौदिया के जंगपुरा से चुनाव लड़ने के कारण, पार्टी ने शिक्षक से नेता बने अवध ओझा को अपना उम्मीदवार बनाया है। ओझा का मुकाबला बीजेपी के रविंदर सिंह नेगी और कांग्रेस उम्मीदवार अनिल चौधरी से है। आम आदमी पार्टी द्वारा पटपड़गंज को अपना गढ़ बनाने से पहले 1998 से 2013 तक यहां कांग्रेस का दबदबा था।

रोहिणी: रोहिणी में, भाजपा ने आप के प्रदीप मित्तल के खिलाफ दो बार के विजेता विजेंदर गुप्ता को मैदान में उतारा है। 2020 के दिल्ली चुनावों में, रोहिणी सीट गुप्ता ने 12,000 वोटों के अंतर से जीती थी जो एक बार फिर मैदान में हैं। 2020 में गुप्ता की जीत का अंतर 12,000 वोटों का था, लेकिन उन्हें अअढ के प्रदीप मित्तल से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। जहां भाजपा गुप्ता के अनुभव का लाभ उठाने की उम्मीद कर रही है, वहीं आप अपनी कल्याणकारी पहलों और घर-घर अभियानों से मतदाताओं को लुभाकर अंतर कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

शकूरबस्ती:शकूरबस्ती में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सत्येन्द्र जैन और इसके दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ (मंदिर प्रकोष्ठ) के प्रमुख भाजपा नेता करनैल सिंह के बीच मुकाबला होगा। जैन अपने पिछले कार्यकाल के दौरान हासिल की गई स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से संबंधित उपलब्धियों पर जोर देते रहे हैं। दूसरी ओर, सिंह सांस्कृतिक और धार्मिक अपील के जरिए मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं।

बार-बार चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश'

EC ने कहा- कानून के तहत काम कर रहे अधिकारी

नई दिल्ली । दिल्ली चुनाव के बीच चुनाव आयोग ने एक पोस्ट साझा किया है। जिसमें लिखा है कि दिल्ली चुनाव में आयोग की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। कानून के तहत 1.5 लाख अधिकारी काम कर रहे हैं। बार-बार चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा जा रहा है।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग का बड़ा बयान सामने आया है। राजनीतिक दलों के द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब दिया गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि तीन सदस्यीय आयोग ने सामूहिक रूप से चुनावों में चुनाव आयोग को बदनाम करने के लिए बार-बार जानबूझकर दबाव बनाने की रणनीति पर ध्यान दिया।

आगे कहा कि लोगों को लगता है कि जैये ये एक एकल सदस्यीय निकाय है। लेकिन इसने संवैधानिक संयम बरतने का निर्णय लिया गया है। इस तरह के आक्षेपों को बुद्धिमत्तापूर्वक, धैर्यपूर्वक सहन किया है और इससे प्रभावित नहीं हुआ है।

'चुनाव आयोग के 1.5 लाख कर्मचारी कर रहे काम'

चुनाव आयोग ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली चुनाव में राजनीतिक दलों और

उम्मीदवारों की ओर से उठाए गए मुद्दों पर 1.5 लाख से अधिक अधिकारी काम कर रहे हैं। उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई की जा रही है, जो निष्पक्ष और गैर-पक्षपातपूर्ण हो रही है। सारे अधिकारी मजबूत प्रक्रियाओं और एसओपी के तहत काम कर रहे हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि आम आदमी पार्टी की ओर से लगातार चुनाव आयोग के कार्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ताजा मामला दिल्ली में आचार संहिता को लेकर है। जहां सीएम आतिशी ने भाजपा समर्थकों की आयोग से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीएम आतिशी के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया और वहीं भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बेटे के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर ली। जिसके बाद मुख्यमंत्री आतिशी और राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कार्रवाई पर सवाल उठाए।

सीएम आतिशी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

सीएम आतिशी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि चुनाव आयोग भी गजब है। रमेश बिधूड़ी के परिवार के सदस्य खुले-आम आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। उन पर कोई एक्शन नहीं है। मैंने शिकायत की, पुलिस और चुनाव आयोग को बुलाया। इन्होंने मेरे ऊपर केस दर्ज कर दिया। राजीव कुमार जी आप चुनावी प्रक्रिया कि कितनी धज्जियां उड़ायेंगे।

केजरीवाल ने चुनाव आयोग पर कसा तंज

वहीं अरविंद केजरीवाल ने लिखा कि खुलेआम गुंडागर्दी के खिलाफ शिकायत करने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव आयोग ने पुलिस केस किया। तो अब दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग का ये ऑफिशियल स्टैंड है।

आतिशी पर कार्रवाई करने पर आप ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री आतिशी पर एफआईआर दर्ज होने पर आम आदमी पार्टी चुनाव आयोग के ऊपर सवाल उठा रही है। सीएम आतिशी, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा। सीएम आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी ने पीसी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रही है। साइलेंट पीरियड में रमेश बिधूड़ी के परिवार के लोग और कार्यकर्ता झुग्गियों के लोगों को धमका रहे थे। कानून के मुताबिक, किसी भी अन्य विधानसभा का कोई भी व्यक्ति किसी दूसरी विधानसभा में नहीं जा सकता है। हमने दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की थी। लेकिन पुलिस ने इनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया।

आज संगम में डुबकी लगाएंगे पीएम मोदी, महाकुंभ मेला का करेंगे दौरा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 का दौरा करेंगे। सुबह करीब 11 बजे वह संगम में पवित्र स्नान करेंगे और मां गंगा की पूजा-अर्चना करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज में महाकुंभ मेला का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को संगम में डुबकी लगाने के बाद मां गंगा की पूजा करेंगे। वह प्रयागराज की धरती पर तकरीबन दो घंटे रहेंगे। उनके आगमन को लेकर मेला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने महाकुंभ नगरी में डेरा डाल दिया है।

अरैल क्षेत्र में उनकी सुरक्षा के लिए खास अलर्ट जारी किया गया है। पीएम के आगमन को लेकर पांच सेक्टर मजिस्ट्रटों की तैनाती की गई है। पीएम मोदी 13 दिसंबर 2024 को प्रयागराज आए थे और उन्होंने 5500 करोड़ रुपये की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम वाले क्षेत्रों को एनएसजी ने कब्जे में ले लिया है।

मजिस्ट्रेट एवं भारी संख्या में पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवानों की तैनाती की गई है। गंगा के घाटों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शहर से लेकर कुंभ नगरी तक संदिग्धों की जांच की जा रही है।

पीएम के साथ मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी आएंगे। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि पीएम के कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पांच मजिस्ट्रेट एवं भारी संख्या में पुलिस बल लगाया गया है। प्रधानमंत्री संगम में स्नान करने के बाद मां गंगा की पूजा करेंगे।

2019 कुम्भ में शामिल हुए थे पीएम मोदी-पीएमओ ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री ने तीर्थ स्थलों पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सक्रिय कदम उठाए हैं। बयान में कहा गया है कि इससे पहले, 13 दिसंबर, 2024 को प्रयागराज की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री ने आम जनता के लिए संपर्क, सुविधाओं और सेवाओं में सुधार के लिए 5,500 करोड़ रुपये की 167 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। इससे पहले 2019 कुम्भ में 24 फरवरी को उन्होंने गंगा स्नान कर सफाईकर्मियों के पांव पखारे थे।

4 फरवरी को आईटीएस डेंटल कॉलेज में मनाया गया विश्व कैंसर दिवस

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर गाजियाबाद में 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। वैश्विक स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिये कार्यरत संस्था यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल (यूआईसीसी) द्वारा वर्ष 2025 में विश्व कैंसर दिवस की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक रखी गयी है। इस दिन को मनाने के पीछे का उद्देश्य कैंसर के मरीजों की पहचान कर उनको उचित और सटीक इलाज मुहैया करवाना है। शुरूआत में ही कैंसर के लक्षण की जांच कर इसे सही समय पर उपचार द्वारा इसे दूर किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार भारत विश्व में सबसे अधिक धूम्रपान करने वालों में विश्व का 12 प्रतिशत हिस्सा है। भारत में तंबाकू के कारण हर वर्ष एक करोड़ से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है। इस अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज तथा शिविर स्थल (मथुरापुर गांव और कस्बा मुरादनगर), वृद्धाआश्रम एवं गॉव सुल्तानपुर में कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्थान की ओपीडी में माइक्रो-ग्रुप जागरूकता सहित

कई कार्यक्रम किये गये तथा शिविर स्थल पर आने वाले सभी रोगियों को मौखिक कैंसर के बारे में पर्चे बांटे गये तथा धुम्रपान की आदतों को छोड़ने के लिए प्रेरित भी किया गया। वह सभी रोगी जिन्हें तंबाकू सेवन या धूम्रपान की आदत थी। उन सभी रोगियों को तंबाकू निषेध परामर्श दिये गये। शिविर स्थल ओल्ड एज होम दुहाई तथा आईटीएस डेंटल कॉलेज में सभी मरीजों की मौखिक कैंसर की जांच की गई तथा सभी मरीजों को नियमित रूप से मौखिक स्वास्थ्य की जांच कराने और उन्हें शुरूआती परिवर्तनों से

अवगत कराने के लिए स्व परीक्षा का प्रदर्शन किया गया। गांव के प्रधानों, स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों जैसे हितधारकों की पहचान की गई और उन्हें इस घातक बीमारी के बारे में बताया गया और कैंसर की रोकथाम, निदान और उपचार के बारे में भी जागरूक किया गया। कस्बा, मुरादनगर में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले दुकानदारों को सीओटीपीए अधिनियम 2003 का सख्ती से पालन करने और 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद न बेचने के लिए प्रेरित किया गया। इस बीमारी का मुकाबला करने के लिए सभी रोगियों, कर्मचारियों, छात्रों और हितधारकों द्वारा संकल्प लिया गया। अंत में सभी रोगियों के लिए एक इंटरैक्टिव स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी आयोजित किया गया और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया गया तथा मरीजों के बेहतर उपचार के लिए आईटीएस डेंटल कॉलेज मे रेफर किया गया। अंत में इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा और सेक्रेट्री बीके अरोड़ा तथा संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं पुरराज प्रिंटिंग एंड पैकिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रेस ई-19,सेक्टर-6,नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।